रांची, गुरुवार
19.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 106, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

संसद की 19-20 मार्च की बैठकें रद्द,

नई दिल्ली। संसद में इस हफ्ते गुरुवार और शुक्रवार को अवकाश होने के कारण अगले सप्ताहांत में शनिवार और रविवार को दोनों सदनों की बैठक आयोजित होगी। सदन के पटल पर 19-20 मार्च को रखे जाने वाले प्रश्न अब 23 मार्च को रखे जाएंगे। लोकसभा में पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने बुधवार को बताया कि लोकसभा ने त्योहारों की वजह से 19-20 मार्च की बैठकें रद्द कर दी हैं। इसके बदले अब सदन 28-29 मार्च (शनिवार-रविवार) को काम करेगा। यह निर्णय काम के घंटों की भरपाई के लिए लिया गया है। राज्यसभा में इस बाबत घोषणा पहले ही की जा चुकी है। जगदंबिका पाल ने कहा कि लोकसभा ने 19 मार्च और 20 मार्च को निर्धारित सदन की बैठकों को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की है। अब सदन आवश्यक कार्यवाहियों के संचालन के लिए 28 मार्च और 29 मार्च को बैठेगा। यह व्यवस्था युगादी (19 मार्च) और ईद (20 मार्च) की छुट्टियों के कारण की गई है।

राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को दी गई विदाई

नई दिल्ली। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को बुधवार को विदाई दी गई। विदाई समारोह में 20 राज्यों के 59 सदस्य, जिनमें 9 महिलाएं भी शामिल हैं, ने सदन को अलविदा कहा। इस मौके पर उपसभापति हरिवंश ने कहा कि पहले लोग खुद नियम फॉलो करते थे, अब हमें कंट्रोल करके कराना पड़ते हैं। उन्होंने नीतीश कुमार, अमित शाह, वेंकैया नायडू और सभी दलों के सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और उपसभापति के रूप में अपने कार्यकाल को जीवन का सुनहरा अवसर बताया।

झारखंड में वीबी-जी राम-जी नहीं, मनरेगा रहेगा नाम

विधानसभा में मनरेगा को यथावत रखने का संकल्प पारित, 150 दिन रोजगार की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को मनरेगा को उसके पुराने नाम से ही जारी रखने का संकल्प पारित किया गया। यह संकल्प राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सदन में पेश किया।

संकल्प में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वीबी-जी राम-जी अधिनियम की जगह मनरेगा को ही जारी रखने की बात कही गई। साथ ही मनरेगा के तहत 100 दिनों के बजाय 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया गया।

सदन में प्रस्तुत प्रस्ताव में कहा गया कि वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रावधानों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि इससे रोजगार की कानूनी गारंटी, मानव दिवसों की सुरक्षा, ग्राम सभा की शक्तियों और राज्य के वित्तीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए राज्य के हित में मनरेगा को ही जारी रखना आवश्यक है।

इसके अलावा, 5 जनवरी-2026 को इस विषय पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और अन्य संबंधित पक्ष शामिल हुए थे। समीक्षा के बाद इस अधिनियम को लेकर कई चिंताएं जताई गईं।

संकल्प में यह भी कहा गया कि नए प्रावधानों से काम मांगने पर रोजगार मिलने की कानूनी गारंटी समाप्त हो सकती है, काम के दिनों में कमी आ सकती है, महिलाओं के सशक्तिकरण पर असर पड़ेगा और पलायन बढ़ने की आशंका है। साथ ही इससे राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ भी पड़ सकता है।

झारखंड विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

सदन चलाने में सत्तापक्ष और विपक्ष का सहयोग लोकतांत्रिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण : स्पीकर

निर्धारित समय से लगभग 112 प्रतिशत तक चला सदन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा बजट सत्र 2026 के दौरान बुधवार को सदन की कार्यवाही की दूसरी पाली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जवाब के साथ ही स्पीकर रबीन्द्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। इस अवसर पर सदन में स्पीकर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का तृतीय अनुपूरक बजट और वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट, जिसकी कुल राशि एक लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये है। यह बजट राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्पीकर ने अपने समापन संबोधन में कहा कि 18 फरवरी 2026 से

लेकर 18 मार्च 2026 तक संचालित इस बजट सत्र में 17 कार्य दिवस रहा और यह सत्र 19 मार्च तक प्रस्तावित था। लेकिन 14 मार्च को अवकाश के दिन सदन का कार्य किया गया, इसलिए एक दिन पूर्व आज ही सत्र समापन हो गया। इस दौरान स्पीकर ने कहा कि इस बजट सत्र में कुल 242 अल्पसूचित प्रश्न स्वीकृत किए गए, जिनमें से 62 प्रश्नों के उत्तर सदन में दिए गए। इसी प्रकार कुल 758 तारांकित प्रश्न पूछे गए, जिनमें से 57 प्रश्नों का उत्तर सदन में दिया गया। ध्यानाकर्षण सूचनाओं की बात करें तो कुल 72 ध्यानाकर्षण सूचनाएं ली गई, जिनमें से 55 का उत्तर सदन में दिया गया। इस सत्र के दौरान कुल 96 निवेदन प्राप्त हुए। शून्यकाल की सूचनाएं कुल 400 स्वीकृत हुई।

स्पीकर ने कहा कि इस सत्र में दो महत्वपूर्ण वित्तीय विधेयक पारित किए गए। सत्र के दौरान सदन की कार्यक्षमता भी उल्लेखनीय रही। जहां इस सत्र के लिए कुल 66 घंटे का समय निर्धारित किया गया था, वहीं सदन ने कुल पौने 74 घंटे काम किया, जो निर्धारित कार्य का लगभग 112 प्रतिशत है।

सदन में सभी सदस्य सत्तापक्ष हों या विपक्ष, सदन की कार्यवाही को गरिमा, संयम और सहयोग की भावना से संचालित करने में योगदान दिया, वह लोकतांत्रिक परम्पराओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। स्पीकर ने कहा कि झारखंड राज्य एक युवा और अपार संभावनाओं से भरा राज्य है। इस सत्र के दौरान जो चर्चाएं, निर्णय और विधेयक पारित हुए हैं, वे निश्चित रूप से राज्य के विकास को नई दिशा देंगे। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इस सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाएं। सत्र के सफल संचालन में उन्होंने मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन, मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न दलों के नेता और अन्य सदस्यों, विधानसभा सचिवालय के सभी पदाधिकारी-कर्मियों, राज्य सरकार के अधिकारियों, सुरक्षा बल और मीडिया के प्रति आभार जताया।

उन्होंने कहा कि यह सदन केवल भवन नहीं, एक संकल्प है, झारखंड के उज्ज्वल भविष्य का विकल्प है। उन्होंने राज्यवासियों को ईद-उल-फितर, सरहुल, रामनवमी, महावीर जयंती, गुड फ्राईडे की बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को भेंट की झारखंड राइजिंग पुस्तक

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित झारखंड मंत्रालय में बुधवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को राज्य सरकार की ओर से प्रकाशित झारखंड राइजिंगः ए ग्लोबल स्टोरी पुस्तक और एक कॉफी टेबल बुक भेंट की। इस पुस्तक में जनवरी माह में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के दावोस और यूनाइटेड किंगडम (लंदन) दौरे का विस्तृत विवरण शामिल है, जबकि कॉफी टेबल बुक में राज्य सरकार के विकासात्मक कार्यों की समग्र जानकारी प्रस्तुत की गई है।

मौके पर मुख्यमंत्री ने संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को भी झारखंड राइजिंगः ए ग्लोबल स्टोरी पुस्तक और कॉफी टेबल बुक भेंट की।

इंदौर में इलेक्ट्रिक कार के चार्जिंग पॉइंट में ब्लास्ट से मकान में लगी आग, 8 लोगों की मौत, चार घायल

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में बंगाली चौराहा के पास स्थित तिलक नगर इलाके में बुधवार सुबह चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार (टाटा पंच) में शॉर्ट सर्किट से आग ने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसे के समय पूरा परिवार घर में सो रहा था, इसलिए किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखे गैस सिलेंडर भी फट गए, जिससे हालात और भयावह हो गए। वहीं, बिजली गुल होने से डिजिटल लॉकिंग सिस्टम बंद हो गया। कई लोग घर के अंदर ही फंस

गए। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पुलिस के अनुसार, बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के घर के बाहर देर रात इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी थी। सुबह करीब चार बजे चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कार ने आग पकड़ ली। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और घर के भीतर फैल गई। हादसे के समय पुगलिया परिवार के घर में पारिवारिक कार्यक्रम चल रहा था, जिसके कारण कई सदस्य और रिश्तेदार एक साथ मौजूद थे। घर के अंदर दस से ज्यादा गैस सिलेंडर और ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। आग की चपेट में आते ही सिलेंडरों में विस्फोट शुरू हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

महिला और वंचित युवाओं के लिए सरकार शुरू करेगी मंईयां बलवान और उद्यमी योजना : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17 वें दिन बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच बताते हुए राज्य की प्रगति, योजनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले छह वर्षों में राज्य का बजट 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये हो गया है, जो करीब 85 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने बताया कि वित्तीय प्रबंधन के मामले में झारखंड अब देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

सामाजिक सुरक्षा के तहत सर्वजन पेंशन योजना का दायरा बढ़ाकर 36 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचाया

गया है। मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिल रहा है। महिलाओं और बच्चियों के लिए इस वर्ष 34 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड देश का एकमात्र राज्य है जिसने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को व्यापक रूप से लागू किया है। 2019 में जहां भारत सरकार की सहायता से लगभग 11-12 लाख लोगों को पेंशन मिल रही थी, वहीं आज राज्य में सर्वजन पेंशन योजना से जुड़कर 36 लाख से अधिक लोग लाभ ले रहे हैं। हमने एकल महिलाओं और परित्यक्ता महिलाओं की पीड़ा को समझते हुए उन्हें भी इस दायरे में शामिल किया- यह केवल योजना नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन का उदाहरण है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 14,065 करोड़ का प्रावधान महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी झारखंड ने एक मिसाल कायम किया है। जहां कई राज्यों में यह केवल चुनावी वादा बनकर रह गया, वहीं हमने इसे धरातल पर उतारा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंईयां योजना के तहत 20,000 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड देश का वह राज्य है जो अपने बजट का सर्वाधिक प्रतिशत महिलाओं और बच्चों पर खर्च कर रहा है-यह हमारे संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 14,065 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और कुल मिलाकर 34 हजार करोड़ रुपये महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यही असली राजनीति है। मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों और वंचित समाज के लोगों को आजीविका से जोड़ने के लिए जोहार परियोजना का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इसके अन्तर्गत अगले 03 साल में पूरे राज्य में सभी मंईयां और वंचित समाज के युवाओं में आजीविका और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए खास तौर पर मंईयां बलवान योजना और मंईयां उद्यमी योजना को अलग-अलग समय में धरातल पर उतारा जाएगा।

शेष पेज 10 पर

मंत्रिमंडल ने 2584 करोड़ रुपये की लागत वाली लघु जल विद्युत विकास योजना को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली : सरकार ने विशेष रूप से देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में पन बिजली क्षमता का दोहन करने के लिए 2584 करोड़ रुपये की लागत से 'लघु जल विद्युत विकास योजना' शुरू करने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत करीब 1500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं की स्थापना की जायेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 'लघु जल विद्युत विकास योजना' को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए स्वीकृति दी गयी है और इसकी कुल लागत 2584.60

करोड़ रुपये है। इस योजना के अंतर्गत लगभग 1500 मेगावाट क्षमता की लघु जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह योजना विभिन्न राज्यों में 1 से 25 मेगावाट क्षमता वाली लघु जल विद्युत परियोजनाओं को स्थापित करने में सहायता प्रदान करेगी और विशेष रूप से पहाड़ी तथा पूर्वोत्तर राज्यों को लाभान्वित करेगी, जहां ऐसी परियोजनाओं की अधिक संभावनाएं हैं। पूर्वोत्तर राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जिलों में प्रति मेगावाट 3.6 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (जो भी कम हो) तक की केंद्रीय वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 30 करोड़ रुपये होगी। अन्य राज्यों में प्रति मेगावाट 2.4 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 20 प्रतिशत (जो भी कम हो) तक सहायता दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 20 करोड़ रुपये होगी।

इससे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में लघु जल विद्युत क्षमता का उपयोग करने में सहायता मिलेगी। ऐसी परियोजनाओं के लिए 2,532 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इससे लघु जल विद्युत क्षेत्र में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा पहल को बढ़ावा मिलेगा, दूर दराज के और ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा तथा रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर उत्पन्न होंगे। यह निवेश संयंत्र और मशीनरी के 100 प्रतिशत स्वदेशी स्रोतों से उपयोग को भी प्रोत्साहित करेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य की पूर्ति होगी।

यह योजना राज्यों को लगभग 200 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी, जिससे भविष्य में लघु जल विद्युत परियोजनाओं की एक श्रृंखला तैयार हो सके। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को सहायता प्रदान करने के लिए 30 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

यह योजना परियोजना निर्माण के दौरान 51 लाख मानव-दिवस रोजगार प्रदान करेगी तथा इन लघु जल विद्युत परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव में भी रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी, जो मुख्यतः ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित होंगी। लघु जल विद्युत परियोजनाएं विकेंद्रीकृत प्रकृति की होने के कारण लंबी प्रसारण लाइनों की आवश्यकता कम होती है, जिससे प्रसारण हानि भी कम होती है।

इस योजना के शुरू होने से लघु जल विद्युत क्षेत्र को पुनर्जीवित किया जाएगा और उपलब्ध क्षमता का तेज गति से दोहन संभव होगा। लघु जल विद्युत परियोजनाएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं, क्योंकि इनमें बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण, वनों की कटाई और समुदायों के विस्थापन से बचा जा सकता है। यह योजना स्थानीय निवेश को बढ़ावा देकर दूरस्थ क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगी तथा 40 से 60 वर्ष या उससे अधिक की परियोजना आयु के साथ दीर्घकालिक रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है। चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं।

आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है। डीईओ/आरओ स्तर पर किसी भी शिकायत/प्रश्न को दर्ज करने के लिए कॉल सेंटर नंबर +91 (एसटीडी कोड) 1950 भी उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सके। इससे पहले आम चुनाव और उपचुनावों के दौरान आयोग की निगरानी के लिए 832 विधानसभा क्षेत्रों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया था। इनमें 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं।

शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन सुनिश्चित हो : स्मिता नगेसिया

बिभा संवाददाता

खूँटी । विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की पहल पर राज्य में 3-18 आयु वर्ग के शत-प्रतिशत बच्चों का आंगनबाडी/विद्यालय में नामांकित करने एवं उन्हें विद्यालय से जोड़ें रखने के लिए एक निजी संस्था चाईल्ड फंड को कर्रा प्रखंड के कर्रा एवं बमरजा पंचायत का चयन किया गया है ।

उक्त दोनों पंचायत के सभी विद्यालय प्रभारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं बी आर पी सीआर पी के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक कर आवश्यक दिशा दिशा-निर्देश दिया गया प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन एव ड्राप बाक्स के सभी छात्रों का नामांकन सुनिश्चित करें किसी भी परिस्थिति में बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं होनी चाहिए इसके लिए सभी शिक्षकों को आम करने का निर्देश दिया गया।

आज के इस कार्यक्रम के पाश्चात्य प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारीयों के द्वारा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस अवसर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन साहु ने कहा की यह प्रचार रथ के माध्यम से जन जन तक यह संदेश जाएगा और कर्रा प्रखंड का बमरजा और कर्रा पंचायत मॉडल पंचायत होगा जो जीरो ड्राप आउट पंचायत होगा । इस अवसर पर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों,कर्मी एवं शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

संजीव सरदार के सवाल पर सरकार का जवाब - जेएसएलपीएस कर्मियो के लिए संशोधित नियमावली जल्द होगी लागू

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने झारखंड विधानसभा में ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े कर्मियों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाया। उन्होंने राज्य में कार्यरत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के कर्मियों के लिए नई मानव संसाधन नियमावली लागू करने की आवश्यकता पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया सरकार ने स्वीकार किया कि राज्य में ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्य जेएसएलपीएस के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संशोधित मॉडल मानव संसाधन नियमावली 2024 को लागू करने की प्रक्रिया जारी है और इस दिशा में शासी निकाय से आवश्यक सहमति मिल चुकी है।

यदि यह नियमावली लागू होती है तो ग्रामीण आजीविका कर्मियों को कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं, जिनमें सेवा शर्तों की स्पष्टता, वेतन एवं भत्तों में सुधार, पदोन्नति के बेहतर अवसर, नौकरी की स्थिरता और कार्य के अनुरूप अधिकारों का संरक्षण शामिल है। इससे हजारों कर्मियों की कार्य स्थिति मजबूत होगी। संजीव सरदार के इस पहल से कर्मियों में नई उम्मीद जगी है।

स्टोन माइनिंग के खतरनाक गड्ढों पर विधायक संजीव सरदार सख्त, विधानसभा में उठाया मुद्दा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने पूर्वी सिंहभूम जिले में स्टोन माइनिंग के बाद छोड़े गए खतरनाक गड्ढों का मुद्दा जोरदार तरीके से विधानसभा में उठाया। उन्होंने इसे जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक ने शून्य काल के दौरान सदन के समक्ष यह मामला रखते हुए कहा कि जिले के कई स्थानों पर खनन के बाद गहरे और जानलेवा गड्ढे खुले छोड़ दिए गए हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। खासकर वर्षा ऋतु में इन गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित लीजधारकों द्वारा अब तक इन गड्ढों का समुचित समतलीकरण नहीं कराया गया है, जो नियमों के विपरीत है। ऐसे में आम जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई बेहद जरूरी है। संजीव सरदार ने सरकार से मांग की है कि इन खतरनाक गड्ढों का शीघ्र समतलीकरण कराया जाए, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

संक्षिप्त खबरें

ड्रीम होम रियल एस्टेट ग्रुप ने धातकीडीह मक्का मस्जिद के चार इमामों को जमीन गिफ्ट किया

जमशेदपुर(बिभा) । ड्रीम होम रियल एस्टेट ग्रुप द्वारा मक्का मस्जिद धतकीडीह में एक कार्यक्रम के दौरान चार मौलवी इमाम को 900 स्कावयर फीट का जमीन नजराना के रूप में गिफ्ट किया-। गिफ्ट में दिए गए उक्त सभी जमीन का कागजात बीते 16 मार्च 2026 को धातकीडीह स्थित मक्का मस्जिद प्रांगण में 27वीं रात का खतम कुरान मुकम्मल होने पर चारों इमामों को बतौर एक अहम तोहफे के रूप में भेंट की गई , जो जमशेदपुर शहर में एक नया पहल है। उक्त चारों इमामों में मुख्य रूप से कारी साहेब , इमाम साहेब , नायब इमाम साहेब और मौजिन साहेब का नाम शामिल है। इस नेक दिली कार्य के लिए सभी इमामों ने ड्रीम होम रियल एस्टेट ग्रुप को बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है ।

सरहुल, ईद और रामनवमी को लेकर चांडिल अनुमंडल में शांति समिति की बैठक, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई-एसडीओ

चांडिल(बिभा) : चांडिल अनुमंडल परिसर में आगामी सरहुल, ईद और रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) विकास कुमार राय ने की। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य, विभिन्न प्रखंडों के पदाधिकारी तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और सुझावों को प्रशासन के समक्ष रखा। साथ ही पर्व-त्योहार के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और आपसी भाईचारा कायम रखने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान लाउडस्पीकर के उपयोग तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की समस्या, अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या प्रशासन को देने की अपील की गई, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। एसडीओ ने आश्वस्त किया कि पर्व-त्योहार के दौरान प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहेगा और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। बैठक में अनुमंडल के सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारी और चारों थाना प्रभारी भी मौजूद थे।

विधानसभा में उठा प्रज्ञा केंद्रों की बदहाल स्थिति का मामला

खूँटी(बिभा) । विधायक राम सूर्या मुंडा ने विधानसभा में पंचायत स्तर पर संचालित प्रज्ञा केंद्रों की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से स्थापित प्रज्ञा केंद्र जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहे हैं। विधायक ने बताया कि आज भी आधार पंजीकरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, बैंकिंग सेवाएं, पेंशन और मनरेगा से जुड़े कई आवश्यक कार्य पंचायत स्तर पर नियमित रूप से नहीं हो पा रहे हैं। इसके कारण ग्रामीणों को मजबूरन प्रखंड कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बबार्दी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रज्ञा केंद्र संचालकों को उनके कार्य के अनुरूप उचित पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है, जिससे सेवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। विधायक ने सरकार से मांग की कि प्रज्ञा केंद्रों को तकनीकी संसाधन, स्थायी व्यवस्था और संचालकों को सम्मानजनक भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही सभी डिजिटल सुविधाएं मिल सकें।

निगम की भूमि को किया गया अतिक्रमण मुक्त

रांची (बिभा): रांची नगर निगम द्वारा अपने स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों एवं भूमियों की सुरक्षा, उन्हें जनउपयोगी बनाने तथा अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रांची नगर निगम द्वारा किशोरी यादव चौक (गौशाला मार्ग) के निकट स्थित निगम की भूमि, एमएस प्लॉट संख्या 241, रकबा 14 डिसमिल, जिसपर वर्षों से कब्जा व अतिक्रमण था, उसे अतिक्रमण मुक्त किया गया। बता दे कि पूर्व में निगम की टीम द्वारा अतिक्रमणकारियों को सात दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। निर्धारित अवधि पूर्ण होते ही निगम द्वारा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस क्रम में जेसीबी के माध्यम से भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए 05 अस्थाई संरचनाओं को हटाया गया एवं भूमि समतलीकरण का कार्य किया गया।

श्रीनाथ विवि में मैथमेटिकल साइंस फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : श्रीनाथ विश्वविद्यालय स्थित गणित विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला जिसका शीर्षक मैथमेटिकल साइंस फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरूआत उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में विकास कुमार एवं अंकुर शास्वत उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शिवानंद सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. याहा मजूमदार, असिस्टेंट डीन (रिसर्च) डॉ. शैलेश कुमार सारंगी, असिस्टेंट डीन (करिकुलम डेवलपमेंट) डॉ. सुदर्शना बनर्जी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सहायक प्रोफेसर एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर एवं दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके पश्चात कुलपति ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य वक्ताओं ने अपने अपने अनुभव छात्रों के साथ साझा करते हुए वैज्ञानिक चेतना और सर्वांगीण विकास पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने देश-विदेश के महान गणितज्ञों और वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह देख गया जिसमें सबने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या डॉ. मौसुमी महतो ने मंच से सभी का स्वागत किया। इस दौरान श्रीनाथ कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्राचार्य डॉ. प्रशांता कुमार महापात्रा ने सभा में उपस्थित सभी को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. अमिताभ बोस ने गणित के इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि गणित सभी विषयों की जननी है। उन्होंने गणित के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दोनों दिनों के कार्यक्रम का संचालन छात्राएं नंदिनी सिंह और प्रीति कुमारी महतो ने किया। अंत में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण कुमार महतो ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति कार्यक्रम की अपार सफलता को देखते हुए आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया।

नववर्ष हमेशा एक नई चेतना जागृत करता है, हमें अपने सभी बुरे कामों को त्यागकर सत्य पर चलना है : महाराज

बिभा संवाददाता

खूँटी । सनातन नववर्ष 2083के आगमन की पूर्व संध्या पर शांति पुरी आश्रम मुरहू में एकल अभियान का संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। स्वामी जी ने कहा कि सनातनियों का नवसंवत्सर 2083 वृहस्पतिवार से प्रारंभ है। सृष्टि की रचना ब्रह्मा जी ने चैत्र प्रतिपदा पर ही की है। मनुष्य के लिए नववर्ष हमेशा एक नई चेतना जागृत करता है, हमें अपने सभी बुरे कामों को त्यागकर सत्य पर चलना और भगवान की भक्ति में लीन हो जाना चाहिए,इसी में सबका हित निहित है। अध्यक्ष डॉ डीएन तिवारी ने कहा कि मनुष्य जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है, हमें सौ काम छोड़कर स्नान करना चाहिए, हजार काम छोड़कर भोजन करना, लाखों काम छोड़कर भजन करना, तथा करोड़ों काम छोड़कर परमार्थ करना चाहिए। संजय सत्संगी,करमसिंह महतो ने कहा कि नव वर्ष पर सभी को समरसता और भाईचारा कायम कर समाज सेवा करना चाहिए। मौके पर जय सिंह मुंडा, महेंद्र सिंह नाग,राम हरि साव, बिष्णु देव चौधरी, हरिद्वार ठाकुर, सनातन कुमार सहित आचार्य गण उपस्थित रहे।

ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर सिल्ली थाना एवं मूरी ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक

बिभा संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली थाना एवं मुरी ओपी परिसर में ईद-उल-फितर, सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता एस आई रामदेव यादव एवं संचालन मोहम्मद फारूख ने किया। बैठक में सिल्ली अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का, जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी कुमारी, पूर्व जिला परिषद सुशील महतो,उदय कुमार , युधिष्ठिर महतो, अरुण यादव, फनी भूषण पासवान, रघुनंदन मंडल एवं रामनवमी के विभिन्न अखाड़ा, सरहुल पुजा समिति एवं मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में शांतिपूर्ण व भाईचारे के साथ ईद, सरहुल व रामनवमी मनाने का निर्णय लिया गया। बताया गया कि संभावित 20 एवं 21 मार्च को सिल्ली के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की जाएगी। 21 मार्च को सरहुल, 27 मार्च को पारंपरिक मार्ग पर सरकारी गाइड लाइन के तहत रामनवमी का जुलूस निकाला जाएगा। इस बैठक में जिप सदस्य, पुर्व प्रखंड प्रमुख कमलनाथ मांझी, राजेश साहु, भागवत सोनार, बबलु साव, भादुड़ी गोराई ,नकुल महतो, अमित कुम्हार, चंद्र मोहन महतो, कार्तिक चंद्र महतो, कमल किशोर कुशवाहा, राधिका महतो आदि ने विचार व्यक्त किया । एस आई रामदेव यादव ने आगामी त्योहारों को लेकर सरकार की गाइड लाइन की जानकारी देते हुए कहा कि जुलूस में डीजे बजाने और विवादास्पद गाने बजाने पर सख्त मनाही है। रामनवमी जुलूस के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौक-चौराहों के साथ-साथ जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। पुलिस की नजर असामाजिक तत्वों के साथ साथ त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया व अफवाह फैलाने वालों पर विशेष रहेगी। मुरी ओ पी थाना प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने कहा कि सौहार्दपूण वातावरण में त्योहार मनाने के लिए सिल्ली मुरी का अच्छा इतिहास रहा है। इस वातावरण को बनाए रखें। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने लोगों से त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी प्रकार की कोई बात होगी, तो अविलंब पुलिस को सूचना दें। इस मौके पर अखिल महतो, समीर ठाकुर, डबलु महली, नगेन्द्र नाथ गोस्वामी,जसरूद्दीन अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी, मोहर्रम मोमिन,संजीव कुमार महतो, भवानी देवी, गोंदुरा उरांव, हरे कृष्ण महतो, अजित महतो, संजय भगत, समेत पुलिस के जवान एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बेड़ो थाना में शांति समिति की बैठक, ईद-सरहुल-रामनवमी पर सौहार्द बनाए रखने पर जोर

बिभा संवाददाता

बेड़ो: थाना परिसर में बुधवार को ईद, सरहुल एवं रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा प्रखंड क्षेत्र के गणमान्य लोगों की सक्रिय भागीदारी रही।

बैठक के दौरान आगामी पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं पारंपरिक तरीके से मनाने को लेकर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे आपसी भाईचारा बनाए रखें, किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भी एक स्वर में भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में सभी पर्व आपसी प्रेम, सम्मान और एकता के साथ मनाए जाएंगे। इस अवसर पर डीएसपी अशोक राम एवं थाना प्रभारी सुजीत उराँव ने विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश साझा किए और सतर्कता बरतने की सलाह दी।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि जुगेश उराँव, विधायक प्रतिनिधि करमा उराँव, नवदीप महतो, विश्वनाथ गोप, मुन्ना बड़ाईक, रूसतम अंसारी, मुखिया सुशांति भगत, बिरेन्द्र भगत, रमेश उराँव, जतरू उराँव, पंच आशा रानी पन्ना, राखी भगत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक का संचालन धनंजय कुमार राय ने कुशलतापूर्वक किया।

रामनवमी पूजा बाल मित्र मंडल रांची रोड कर्रा के अध्यक्ष बने विनोद भगत

खूँटी(बिभा) । जिले के कर्रा प्रखंड के रांची रोड स्थित केदार प्रसाद के आवास में मंगलवार को बैठक कर धूमधाम से रामनवमी पर्व मनाने का निर्णय लिया गया। विनोद भगत की अध्यक्षता आयोजित बैठक में पर्व पर व्यवस्था व कार्यकलाप पर चर्चा हुई। जिसमें समिति का भी निर्माण किया गया। मौके पर, लोगों ने विनोद भगत को अध्यक्ष पद संभालने के लिए आग्रह किया। वहीं बैठक में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए रामनवमी पूजा बाल मित्र मंडल रांची रोड कर्रा गठन किया गया। जिसका संचालन करने के सर्वसहमति से अध्यक्ष विनोद भगत, उपाध्यक्ष प्रकाश प्रसाद गुप्ता, संरक्षक राजेंद्र प्रसाद, लखीनारायण साहू, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता , महामंत्री कैलाश प्रसाद गुप्ता सहित कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार, सूर्यकांत कुमार गुप्ता, संतोष गुप्ता, विजय भगत, लल्ला कुमार, राहुल कुमार, रिंकू जयसवाल, छोटू गुप्ता, अभिषेक कुमार, दिनेश कुमार, गौतम गुप्ता, सतीश साहू, अमोद लाल, अनमोल कुमार, अक्षय गुप्ता सहित अन्य लोग का चुनाव किया गया।

खूँटी नगर पंचायत के उपाध्यक्ष बने शशांक शेखर

बिभा संवाददाता

खूंटी । नगर निकाय चुनाव में खूंटी शहरी क्षेत्र के उपाध्यक्ष पद पर शशांक शेखर के विजयी होने के साथ ही शहर में जश्न का माहौल छा गया. परिणाम घोषित होते ही समाहरणालय परिसर में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई देने लगे और विजय के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा. ढोल-ताशों की थाप और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर समर्थक झूमते नजर आए.

इसके बाद भव्य विजय जुलूस निकाला गया, जो समाहरणालय से निकलकर शहर के भगत सिंह चौक,सुभाष चौक सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरा. जुलूस में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं की भी बड़ी भागीदारी रही. कई लोग पारंपरिक परिधान में थे, जबकि महिलाएं सिर पर सजावटी कलश रखकर लोकगीतों पर नृत्य करती हुई जुलूस मे आगे बढ़ रही थीं. कहीं आदिवासी नृत्य की झलक दिखी तो कहीं आधुनिक अंदाज में लोग नाचते-गाते नजर आए।

खूंटी की सड़कों पर देर शाम तक उत्सव जैसा माहौल बना रहा. जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और एक दूसरे को मिठाइयां बांटी. ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो शहर को एक साथ कई त्योहारों का तोहफा मिल गया हो. कई लोगों ने कहा कि यह जीत उनके लिए ईद, सरहुल और रामनवमी जैसी खुशियां लेकर आई है।

जुलूस में अमित साहू, चंदन साहू, नारायण साहू, किशोर साहू, राम महतो, पवन साहू, आतिश साहू, संदीप साहू, तनवीर खान, शमीम अंसारी, शम्स तबरेज खान, खालिद हुसैन, आमिर हुसैन सहित सभी 13 वार्डों के पार्षद और उनके समर्थक जुलूस मे शामिल हुए. सभी ने एकजुट होकर जीत का जश्न मनाया और शहर के विकास के लिए साथ मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। विजयी जुलूस के दौरान समर्थकों ने फूल-मालाओं से नव निर्वाचित उपाध्यक्ष का स्वागत किया. कई स्थानों पर आतिशबाजी भी की गई. सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया था.

शशांक शेखर की जीत ने खूँटी शहर को उत्सव में बदल दिया. देर शाम तक लोग सड़कों पर जश्न मनाते रहे और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते रहे।

पुलिस प्रशासन ने आगामी त्यौहारों में उपद्रवियों से निपटने के लिए की मॉक ड्रील

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है. इसी क्रम में बुधवार को कचहरी मैदान में सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. मॉक ड्रिल के माध्यम से संभावित आपात स्थिति से निपटने, भीड़ नियंत्रण, दंगा निरोधक कार्रवाई तथा त्वरित प्रतिक्रिया की रणनीति का अभ्यास किया गया.

मॉक ड्रिल में पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, एसडीपीओ वरुण रजक, मुख्यालय डीएसपी अखिल कुजूर, बीडीओ ज्योति कुमारी तथा थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल थे. एसपी मनीष टोप्पो ने जवानों को सतर्कता, संयम और समन्वय के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए. इधर पर्व को लेकर शहर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च भी किया गया. फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की गई. पुलिस ने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगा।

रांची, गुरुवार
19.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 106, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट संबंधी विनियोग विधेयक को लोकसभा की मंजूरी

नई दिल्ली: वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रस्तावित 53.47 लाख करोड़ रुपये के व्यय के लिए समेकित निधि से सरकार को धन के भुगतान के लिए अधिकृत करने वाले विनियोग विधेयक (नंबर 2), 2026 को लोकसभा में बुधवार को पारित कर दिया गया। इससे पहले सदन ने कई मंत्रालयों और विभागों से संबंधित अनुदान मांगों को एक साथ बिना चर्चा के स्वीकृति प्रदान की। रेलवे तथा कृषि मंत्रालयों से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों पर राज्यसभा में विस्तृत चर्चा हुई थी और मंत्रियों के जवाब के बाद उन्हें पारित किया गया था। कृषि मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों को सदन की मंजूरी मिलने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शेष मंत्रालयों से संबंधित अनुदानों की बकाया मांगों के संबंध में अनेक कटौती प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने समय के अभाव के कारण सभी कटौती प्रस्तावों को एक साथ मतदान के लिए रखा। सदन ने सभी कटौती प्रस्तावों को ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया। इसके बाद सदन ने शेष मंत्रालयों की अनुदान मांगों को एक साथ ध्वनिमत से पारित किया। अंत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तत्संबंधी विनियोग विधेयक को सदन की मंजूरी के लिए पेश किया और उसे भी सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई: 6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह यूक्रेनी नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। इन पर म्यांमार में आतंकी गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण देने का आरोप है। एनआईए के अनुसार, सभी आरोपी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और म्यांमार में हथियार चलाने तथा ड्रोन ऑपरेशन का प्रशिक्षण देने में कथित रूप से शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रशिक्षण में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन यूरोप से खरीदे गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल एजेंसी आरोपियों से अवैध प्रवेश, हथियार प्रशिक्षण, ड्रोन संचालन और ड्रोन खरीद नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि इनका संबंध किसी बड़े आतंकी संगठन या नेटवर्क से तो नहीं है और क्या ये किसी बड़े आतंकी मॉड्यूल के लिए लोगों को प्रशिक्षण दे रहे थे।

पीएलएफआई एरिया कमांडर हाबिल ने किया सरेंडर

बिभा संवाददाता

खूँटी : जिले के पीएलएफआई के कुख्यात एरिया कमांडर और एक लाख के ईनामी नक्सली हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडू ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। इस आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। खूँटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुरहू थाना क्षेत्र के बम्हनी गांव निवासी और पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडू ने आज उपायुक्त आर. रॉनिटा और एसपी मनीष टोप्पो के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हाबिल मुंडू पर सरकार ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था और उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में करीब 20 संगीन मामले दर्ज है। सरेंडर के दौरान हाबिल ने पुलिस को 9 एमएम और 7.65 एमएम की पिस्टल, एक देसी कट्टा, 13 जिंदा कारतूस और दो वॉकी-टॉकी सौंपे।

बताया जा रहा है कि हाबिल मुंडू साल 2012 से पीएलएफआई संगठन से जुड़ा हुआ था और रंगदारी, लूट, फायरिंग और हत्या जैसी कई वारदातों में शामिल रहा है। नक्सली हाबिल ने बताया कि ह्लसंगठन के अंदर शोषण और डर का माहौल था लगातार पुलिस दबाव भी था , इसलिए मैंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया।ह्व उपायुक्त आर रॉनिटा ने बतायी कि सरकार के सरेंडर पॉलिसी के तहत जिस प्रकार से हाबिल ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस प्रशासन और भी ऐसा कार्य करें । जिससे नक्सली पूरी तरह समाप्त हो जाए। वहीं एसपी मनीष टोप्पो ने कहा कि सरकार के सरेंडर पॉलिसी के तहत एक लाख का इनामी पीएलएफआई नक्सली हाबिल मुण्डू उर्फ प्रफुल्ल मुण्डू ने अपने हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया है। जो विगत 2012 ई से संगठन में सक्रीय था।

पिपरवार पुलिस का बड़ी करवाई : टीपीसी के 5 उग्रवादी दबोचे, हथियार और बाइक बरामद

खलारी। कोयलांचल में सक्रिय उग्रवादी संगठन टीपीसी के खिलाफ पिपरवार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार कर टीपीसी को बड़ी चोट दी है ।पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, लेवी वसूली के पर्चे और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

मिली जानकारी के अनुसार, चतरा एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बेंती मैदान के पास टीपीसी के उग्रवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में जुटे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस की सख्ती के आगे उग्रवादियों की एक न चली और मौके से ही पांचों को दबोच लिया गया।

गिरफ्तार उग्रवादियों में सुरेंद्र कुमार उर्फ लंबू, अशोक कुमार गंझू, हरीश महतो, सूरज कुमार भुइयां और रोनित कुमार गंझू शामिल हैं। ये सभी चतरा और रांची जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि ये सभी 11 मार्च की सुबह महेंद्र गंझू के घर पर हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल थे। पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों के भी अहम सुराग मिले हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में दहशत फैलाने वाले उग्रवादियों के मंसूबों पर पानी फिर गया है और पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में राहत का माहौल है।

पीएलएफआई एरिया कमांडर मुरहू थाना क्षेत्र के बम्हनी गाँव का निवासी है जिसके उपर विभिन्न थाना में 20 केस दर्ज हैं। वहीं इस कदम पर पुलिस बड़ी कामयाबी मान रही है।

झारखंड टेंडर घोटाला मामले में ईडी ने 14 नए इंजीनियरों को बनाया आरोपित, दाखिल की चार्जशीट

बिभा संवाददाता

रांची । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची जोनल ऑफिस ने पीएमएलए (पीएमएलए) की विशेष अदालत में इस मामले की 5वीं पूरक शिकायत (सप्लीमेंट्री चार्जशीट) दर्ज की है। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई में विभाग के 14 बड़े अधिकारियों और इंजीनियरों को नया आरोपित बनाया गया है, जिसके बाद इस केस में कुल आरोपितों की संख्या 36 हो गई है।

ईडी ने दाखिल चार्जशीट में जिन्हें आरोपित बनाया है, उनमें सेवानिवृत्त मुख्य इंजीनियर सिंगराई टुटी, राजीव लोचन, सुरेंद्र कुमार व प्रमोद कुमार तथा कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार, अजय कुमार, अजय तिर्की, राज कुमार टोप्पो, अशोक कुमार गुप्ता, सिद्धांत कुमार व अनिल कुमार (सेवानिवृत्त) के अलावा सहायक अभियंता राम पुकार राम व रमेश ओझा (दोनों सेवानिवृत्त) इनके साथ पूर्व अधीक्षण अभियंता/मुख्य अभियंता उमेश कुमार (सेवानिवृत्त) शामिल हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच के क्रम में ईडी ने पाया है कि ये इंजीनियर टेंडर आवंटन में अवैध तरीके से कमीशन की वसूली में लिप्त थे। वे कमीशन वसूले, जमा किया और उसे सभी संबंधितों, सीनियरों तक पहुंचाया।

ये सभी आरोपित इंजीनियर झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष क्षेत्र व झारखंड राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण से संबद्ध रहे हैं।

ईडी ने पीएमएलए की रांची स्थित विशेष अदालत को बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष क्षेत्र व झारखंड राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के भीतर एक सुनियोजित कमीशन, रिश्वत का रैकेट चल रहा था। इसके तहत टेंडर आवंटन के बदले ठेकेदारों से कुल टेंडर मूल्य का तीन प्रतिशत निश्चित कमीशन वसूला जाता था।

इस कमीशन का बंटवारा होता था। इसमें 1.35 प्रतिशत राशि तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम को उनके निजी सचिव संजीव लाल के माध्यम से जाता था।

इसके अलावा 0.65 प्रतिशत से एक प्रतिशत राशि विभागीय सचिव को व शेष राशि मुख्य इंजीनियरों तथा उनके अधीनस्थ इंजीनियरों को दी जाती थी।

ईडी ने कोर्ट को बताया है कि करीब 3048 करोड़ रुपये के कुल टेंडर आवंटन में अपराध की आय से 90 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति आरोपितों ने अर्जित की है।

ईडी ने एसीबी जमशेदपुर में दर्ज कांड संख्या 13/2019 के आधार पर इंफॉर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज किया था। यह मामला एक जूनियर इंजीनियर सुरेश प्रसाद वर्मा की दस हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तारी से जुड़ा हुआ था।

एसीबी ने तब तलाशी के दौरान तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के ठिकाने से 2.67 करोड़ रुपये नकदी की बरामदगी की थी। ईडी ने जांच के क्रम में वीरेंद्र कुमार राम के भ्रष्टाचार की कमाई को उजागर किया था और बताया था कि ग्रामीण कार्य विभाग में टेंडर आवंटन में कमीशन से वीरेंद्र कुमार राम ने करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की थी।

जांच के दौरान ईडी ग्रामीण विकास विभाग के तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम तक पहुंची थी और कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में बताया था कि मंत्री तक टेंडर आवंटन में एक निश्चित राशि कमीशन में मिलती थी। मंत्री आलमगीर आलम के लिए कमीशन की राशि की वसूली में उनके निजी सचिव संजीव कुमार लाल व उनके अन्य सहयोगी जुड़े थे।

ईडी ने दाखिल चार्जशीट में कोर्ट को बताया है कि इस मामले में अब तक ईडी ने झारखंड, दिल्ली व बिहार में 52 जगहों पर तलाशी ली है। इस केस में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके निजी सचिव संजीव कुमार लाल, संजीव कुमार लाल के सहायक जहांगीर आलम अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

तीन अस्थाई जब्ती के माध्यम से ईडी अब तक 44 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इसपर एडजुकेडिंग अथारिटी की मंजूरी भी मिल चुकी है। ईडी ने लगभग 38 करोड़ रुपये नकदी भी जब्त कर चुकी है। इनमें संजीव कुमार लाल के ठिकाने से 32.20 करोड़ रुपये, ठेकेदार मुन्ना सिंह के ठिकाने से 2.93 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके साथ ही ईडी ने आठ लग्जरी गाड़ियां भी जब्त की हैं। इससे पहले इस मामले में ईडी ने न्यायालय के सामने एक मुख्य चार्जशीट व चार पूरक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसपर न्यायालय ने संज्ञान ले लिया है।

बिहार विधान परिषद समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि उन्होंने झारखंड विधानसभा परिभ्रमण के अवसर पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा एक-दूसरे के कार्यों के अनुभव भी साझा किए।

मौके पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की सभापति विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की अध्यक्ष डॉ. कुमुद वर्मा, सदस्य रीना यादव, मुन्नी देवी एवं निवेदिता सिंह सहित अन्य शामिल थे।

विधायक नवीन जायसवाल की बेटी के विवाह उपरांत समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री, नवदंपति को दिया आशीर्वाद

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को रांची के कटहल मोड़ स्थित दीपाटोली में हटिया से विधायक नवीन जायसवाल के आवास पहुंचे।

मुख्यमंत्री वहां विधायक नवीन जायसवाल की पुत्री माही जायसवाल के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की और हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर कल्पना सोरेन ने भी नवदंपति को मंगलकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक नवीन जायसवाल और उनके परिवारजनों से मुलाकात कर खुशी व्यक्त की और पारिवारिक माहौल में कुछ समय बिताया।

झारखंड हाई कोर्ट ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर सौंदर्यीकरण मामले में रामगढ़ डीसी को तलब किया, अगली सुनवाई 25 मार्च को

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में बुधवार को रामगढ़ के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने आदेश के अनुपालन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि निर्देशों के तहत कुछ कार्य पूरे कर लिए गए हैं, जबकि कुछ कार्य अभी शेष हैं। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में करीब आठ चेंजिंग रूम बनाए गए हैं और आसपास स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई है। साथ ही सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुछ कंपनियों के साथ एमओयू भी किया गया है।

हालांकि, अदालत ने कार्यों को संतोषजनक नहीं मानते हुए अगली सुनवाई में पर्यटन सचिव और रामगढ़ डीसी दोनों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश के अनुपालन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है।

मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की गई है।

खंडपीठ ने रामगढ़ डीसी को मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही नदी तट पर रेड जोन बनाकर घेराबंदी करने को कहा, ताकि डूबने की घटनाओं को रोका जा सके।

प्रार्थी संजीव कुमार की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत को बताया कि पूर्व आदेश का पूर्ण पालन नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चेंजिंग रूम नदी तट से दूर बनाए गए हैं और मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण अब भी बना हुआ है।

गौरतलब है कि यह अवमानना याचिका 11 अगस्त 2023 को जनहित याचिका में दिए गए आदेश के अनुपालन को लेकर दायर की गई है। उस आदेश में राज्य सरकार, पर्यटन विभाग, झारखंड पर्यटन विकास निगम और रामगढ़ जिला प्रशासन को मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, स्थायी स्नान घाट, चेंजिंग रूम, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं और अतिक्रमण हटाने सहित कई आवश्यक निर्देश दिए गए थे।

राजनीति में फुल स्टॉप नहीं होता, जनसेवा सदन के बाहर भी जारी रहती है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा के 59 सदस्यों को विदाई देते हुए कहा कि राजनीति में कभी 'पूर्ण विराम' नहीं होता और जनसेवा का कार्य सदन के बाहर भी निरंतर जारी रहता है। उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि एक 'ओपन यूनिवर्सिटी' है, जहां हर सदस्य को सीखने, विचार साझा करने और खुद को विकसित करने का अवसर मिलता है।

राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में विभिन्न विषयों पर होने वाली चचाओं में हर सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यकाल के दौरान खट्टे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं, लेकिन विदाई के समय सभी दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर एक समान भावना व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विदाई ले रहे कुछ सदस्य भविष्य में फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक जीवन में नए योगदान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, जो सदस्य जा रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव राष्ट्र जीवन में हमेशा उपयोगी रहेगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने एचडी देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार आदि वरिष्ठ नेताओं के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे संसदीय अनुभव वाले नेताओं से नई पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है और उनका अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सराहना करते हुए उन्हें मृदुभाषी और कुशल संचालक बताया। उन्होंने कहा कि सदन को सुचारु रूप से चलाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हरिवंश सदन के बाहर भी युवाओं के बीच सक्रिय रहते हैं और उन्हें देश की परिस्थितियों से अवगत कराने का कार्य करते हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामदास अठावले के हास्यपूर्ण और व्यंग्यात्मक अंदाज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में 24ग7 मीडिया के कारण सदन में हास्य-विनोद के अवसर कम हो गए हैं, लेकिन अठावले अपने अंदाज से वातावरण को सहज बनाए रखते हैं और लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं।

प्रधानमंत्री ने संसदीय प्रणाली में ह्लसेकंड ओपिनियनह्व की अवधारणा को लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि एक सदन में लिए गए निर्णय दूसरे सदन में विचार के लिए जाते हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया और अधिक समृद्ध और व्यापक बनती है। यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।

वेनेजुएला में बड़ा सैन्य बदलाव, 11 साल बाद बदला रक्षा मंत्री

एजेंसी

कराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश के रक्षा मंत्रालय में बड़ा बदलाव करते हुए जनरल गुस्तावो गोंजालेज लोपेज को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। वह लंबे समय से इस पद पर रहे जनरल व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज की जगह लेंगे। सरकारी बयान के अनुसार व्लादिमीर पैड्रिनो पिछले 11 वर्षों से अधिक समय से वेनेजुएला के रक्षा मंत्री पद पर थे और देश की सैन्य व्यवस्था में उनका अहम प्रभाव माना जाता था। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में पैड्रिनो को उनके लंबे समय तक किए गए सेवा और देश के प्रति वफादारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें सरकार में नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। पैड्रिनो ने अपने सैन्य करियर की शुरूआत पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के दौर में राष्ट्रपति गार्ड की औपचारिक इकाई का नेतृत्व करते हुए की थी। बाद में उनका प्रभाव और बढ़ा जब पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने उन्हें 2014 के अंत में रक्षा मंत्री नियुक्त किया था। विश्लेषकों के मुताबिक हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद वेनेजुएला की सेना में स्थिरता बनाए रखने के लिए पैड्रिनो को लंबे समय तक पद पर बनाए रखा गया था।

स्किल एक्सीलेंस प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में ह्यअधिशासी निदेशक (संकार्य) स्किल एक्सीलेंस प्रतियोगिता-2026 के पुरस्कार विजेताओं के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजश्री बनर्जी, अनुप कुमार दत्त द्वारा परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को सुरक्षा शपथ दिलाई. इस प्रतियोगिता का आयोजन कुल दस प्रमुख तकनीकी श्रेणियों में किया गया था, जिसमें फिटर , टर्नर, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक्स, ड्राइव्स, पीएलसी (प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर), हाइड्रोलिक्स, कोपा (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट), इलेक्ट्रिशियन एवं इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक्स शामिल थे.

प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार, फिटर श्रेणी में ब्लास्ट फर्नेस के बीरेन्द्र कपरदार विजेता रहे, जबकि सौविक दास प्रथम रनर-अप और अमरजीत गरेरी द्वितीय रनर-अप घोषित किए गए. टर्नर श्रेणी में ब्लास्ट फर्नेस मैकेनिकल के संदीप पूर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं सिंटर प्लांट के शशि भूषण खाल्खो दूसरे और बीरेन्द्र बी पूर्ति तीसरे स्थान पर रहे. एआई श्रेणी में सीईडी - एस आई जी एस के मोहित गुप्ता विजेता बने, जबकि ए. के. पाण्डेय प्रथम रनर-अप और अमर्त्य शिवम द्वितीय रनर-अप रहे. इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक्स में एम. के. पाण्डेय ने बाजी मारी, वहीं डी. कुमार और आर. कुमार क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे. ड्राइव्स श्रेणी में एसएमएस-क के उत्कर्ष ऋषभ विजेता रहे, जबकि करुणेश जायसवाल प्रथम रनर-अप और संदीप कुमार द्वितीय रनर-अप रहे. पीएलसी श्रेणी में एचएसएम के अवधेश कुमार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि सीआरएम-3 के विजय प्रसाद और पी. सिंह क्रमशः उप-विजेता रहे.

हाइड्रोलिक्स श्रेणी में सीआरएम-क्कक्क के नंदलाल महतो विजेता रहे, जबकि आनंद कुमार मौर्य और पंकज ठाकुर क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय रनर-अप घोषित किए गए. कोपा श्रेणी में कंप्यूटर एवं ऑटोमेशन विभाग की सुकन्या भारती विजेता बनीं, वहीं अमर्त्य शिवम दूसरे और शैलेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे. इलेक्ट्रिशियन श्रेणी में एसएमएस-क्कक एवं सीसीएस के लक्ष्मण कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आदित्य नारायण और संगीता बनर्जी उप-विजेता रहे. इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक्स में एसएमएस-क के अवनीश यादव विजेता रहे, जबकि सुकन्या भारती और करुणेश जायसवाल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया. कार्यक्रम का सफल समन्वय सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती मंजरी श्रीवास्तव, प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री जयनारायण यादव, श्री सच्चिदा नन्द मिश्रा, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री एस. के. डी. भौमिक सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया.

अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने कार्मिकों के नवाचार और समर्पण की प्रशंसा करते हुए सभी विजेताओं को बधाई दी. अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने विजेताओं की तकनीकी कुशलता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होती हैं.

यह प्रतियोगिता बोकारो इस्पात संयंत्र के कार्मिकों की तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कार्यस्थल पर सुरक्षा और गुणवत्ता के मानकों में सुधार होता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक कुशल कार्यबल तैयार करने में भी सहायक सिद्ध होता है.

आस्था एंटरप्राइजेज के खाते से 17 लाख का संदिग्ध ट्रांजेक्शन, बैंक ने फ्रीज किया अकाउंट

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के बारी कोऑपरेटिव स्थित आस्था एंटरप्राइजेज की मालकिन जूली कुमारी के बैंक खाते से दो-तीन महीने में 17 लाख रुपये का संदिग्ध ट्रांजेक्शन होने का मामला सामने आया है। इतनी बड़ी राशि के लेन-देन के बाद पंजाब एंड सिंध बैंक ने खाता फ्रीज कर दिया। पीड़िता को इसकी जानकारी तब हुई जब उन्होंने घरेलू खर्च के लिए पैसे निकालने की कोशिश की।जूली कुमारी ने बताया कि बैंक जाकर मैनेजर से पूछताछ करने पर पता चला कि उनके खाते से इतनी बड़ी राशि का ट्रांजेक्शन हो चुका है। इससे वे हैरान रह गईं। उनके पति शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा, रहमने हाल ही में बारी कोऑपरेटिव में आस्था नाम की दुकान खोली है, जहां साबुन सहित अन्य सामान की एजेंसी चल रही है। मेरी मां किडनी की मरीज हैं, जिसके कारण हम व्यस्त थे और बैंक का आना-जाना नहीं हो सका। बैंक गए तो खाता फ्रीज होने की बात सामने आई।रशैलेंद्र ने आगे बताया कि उनके नाम पर बैंक में 8 लाख का फिक्स्ड डिपॉजिट है, जिसके खिलाफ ओवरड्राफ्ट सुविधा ली गई है। इससे दुकान और घर का खर्च चलता है। उन्होंने कहा, रहमें नहीं पता कि यह ट्रांजेक्शन किसने किया। बैंक ने लिखित आवेदन देने के बाद ही खाता चालू करने की बात कही है। हम साइबर ठगी का शक कर रहे हैं।रपीड़ित दंपति ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि मामला जांच के दायरे में है और पूरी तहकीकात के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस ने बैंक रिकॉर्ड और ट्रांजेक्शन डिटेल्स की पड़ताल शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग कर्मचारियों के हितों के लिए एसएडीए संघ की बड़ी उपलब्धियां, अब प्रोफेशनल टैक्स हटाने का प्रयास

बोकारो (बिभा): स्टील एसोसिएशन ऑफ डिफरेंटली एबल्ड (एसएडीए) अपनी फेडरेशन के माध्यम से सेल स्तर पर दिव्यांगजन कर्मचारियों के उत्थान और हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। संघ ने अब तक कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो दिव्यांग कर्मियों के लिए वरदान साबित हुई हैं।संघ की मुख्य उपलब्धियों में बेलीहाबा स्टील प्लांट (बीएसएल) में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए चार स्पेशल छुट्टियों का प्रावधान शुरू करवाना शामिल है। इसके अलावा, इन छुट्टियों के लिए बोकारो जनरल हॉस्पिटल (बीजीएच) के प्रमाण-पत्र की बाध्यता को भी समाप्त करवाया गया। सबसे महत्वपूर्ण, बोकारो यूनिट में समान अवसर नीति को लागू करवाने में भी एसएडीए ने सफलता हासिल की।वर्तमान में संघ दो प्रमुख मुद्दों पर जोर दे रहा है। पहला, दिव्यांग कर्मचारियों से काटे जाने वाले प्रोफेशनल टैक्स को पूरी तरह बंद करवाना। दूसरा, बोकारो यूनिट में स्पोर्ट्स गतिविधियों की शुरूआत करना, ताकि दिव्यांगजन अपने कौशल का बेहतर प्रदर्शन कर सकें।एसएडीए के कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप कुमार ने बताया, हम फेडरेशन स्तर पर दिव्यांग कर्मचारियों के हर हित को प्राथमिकता देंगे। ये प्रयास जारी रहेंगे।

बैंक कर्मचारियों ने की प्रबंधन के मनमानियों के खिलाफ नारेबाजी

बोकारो(बिभा) : बैंक प्रबंधन की मनमानियों के खिलाफ और जायज मांगों के समर्थन में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के बैनर तले बुधवार सायं आंचलिक कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम के तहत सायं 5:30 बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन में कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रबंधन पर मनमानी करने का आरोप लगाया। सभी आंचलिक प्रबंधनों को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया गया। प्रदर्शन को सफल बनाने में प्रियंका कुमारी, रामजी कुमार, शशि मिश्रा, ब्रजेश, विनय कुमार, सुजीत झा, सरयू शर्मा, धर्मेंद्र, नागेंद्र सिंह और सुजाता कुमारी ने मुख्य भूमिका निभाई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

बोकारो में अवैध बालू खनन पर छापा: एक ट्रैक्टर जब्त

बोकारो(बिभा) : उपायुक्त बोकारो के निर्देश पर जिला प्रशासन ने बुधवार को तांड़ मोहनपुर के समीप मुख्य पथ पर छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया।ट्रैक्टर को विधिवत जब्त कर जरीडीह थाना को सौंप दिया गया, साथ ही थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, खान निरीक्षक अजय कुमार महतो और पुलिस बल मौजूद रहे।प्रशासन ने अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए लगातार ऐसे अभियान तेज करने का संकेत दिया है।

बिना डीजे रामनवमी जुलूस निकालने का तुगलकी फरमान वापस ले हेमंत सरकार: कुमार अमित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के रामनवमी अखाड़ा समितियों की संयुक्त बैठक बुधवार को सेक्टर 3 थाना मोड़ शिव मंदिर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बजरंग विजय अखाड़ा समिति के श्री संजय पांडे ने की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री कुमार अमित ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड की हेमंत सरकार द्वारा बिना डीजे रामनवमी जुलूस निकालने का तुगलकी फरमान सनातन के मनोबल को कुचलने का प्रयास है। यह राज्य सरकार द्वारा अपनाए जा रहे तुष्टिकरण नीति का ही नतीजा है। सरकार और प्रशासन को ऐसे हीं नियम नीति बनाना चाहिए जिसका पालन व्यावहारिक हो और लोग उसका पालन कर सकें। सरकार और प्रशासन के ऐसे नियम समाज के लिए अव्यावहारिक और हास्यास्पद और दुर्भाग्यपूर्ण भी हैं बोकारो के सभी रामनवमी अखाड़ा समितियों को इस नियम के विरोध में एक मंच पर आकर जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार की इस तुगलकी फरमान को लोकतांत्रिक तरीके से वापस लेने की पहल करनी चाहिए। कुमार अमित ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सनातनी समाज का वोट लेकर बोकारो की विधायक बनी श्रीमती श्वेता सिंह का इस विषय पर सदन में चुप रहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें अपनी कांग्रेस पार्टी की सरकार के इस सनातन विरोधी निर्देश का विरोध कर इसे वापस लेने की मांग करनी चाहिए थी। बैठक में उपस्थित सभी रामनवमी अखाड़ा समितियों ने भी सरकार के इस निर्देश का विरोध करते हुए कहा कि इस निर्देश के आड़ में पुलिस जुलूस के दौरान अखाड़ा समितियों को परेशान करते हुए डीजे मशीनों को जप्त कर डी जे संचालकों पर केस करने की धमकी देती है। बैठक में अखाड़ा समितियों ने शीघ्र हीं एक मंच पर आकर प्रशासनिक अधिकारियों से मिल इस फरमान को वापस लेने की मांग करने का निर्णय लिया है। बैठक का संचालन बजरंग अखाड़ा समिति के श्री नागेंद्र सिंह ने किया। बैठक का संचालन बजरंग अखाड़ा समिति के श्री नरेन्द्र सिंह ने एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री राम मंडली अखाड़ा समिति के श्री सुनील कुमार ने किया, बैठक में विभिन्न अखाड़ा समितियों के नवीन सिंह, के.एल गुप्ता, अशोक कुमार, रामाश्रय प्रसाद, संजीव कुमार, जन्मजय गोस्वामी, संतोष पंडित, राजेश साह, लाल बाबू कुमार, कुन्दन कालिन्दी, विवेक कुमार, राजु सिंह, राहुल, सुनील मिश्रा, एके सिंह, बीएन प्रसाद, हरि सिंह आदि उपस्थित रहे।

रामनवमी-ईद के मद्देनजर बोकारो पुलिस सतर्क, 39 नई पेट्रोलिंग गाड़ियों से मजबूत हुई गश्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। रामनवमी और ईद के त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए बोकारो पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। बुधवार को एसपी के नेतृत्व में पुलिस लाइन से फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें अधिकारियों-जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।एसपी ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा हर जिले को नई पेट्रोलिंग गाड़ियाँ प्रदान की गई हैं। बोकारो जिले को 39 आधुनिक वाहन मिले हैं, जो तकनीकी रूप से सक्षम और उच्च सुविधाओं से लैस हैं। पहले कई थानों की पुरानी गाड़ियाँ जर्जर हो चुकी थीं, जिससे गश्त प्रभावित हो रही थी। नई गाड़ियों से अब पेट्रोलिंग मजबूत होगी और अपराध नियंत्रण में बड़ी मदद मिलेगी।पुलिस लगातार गश्त बढ़ा रही है ताकि त्योहार सुरक्षित माहौल में संपन्न हों।

बाउंड्री वॉल विवाद में चाचा-भतीजा आमने-सामने, रिवॉल्वर लहराने से मचा हड़कंप

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चास के राणा प्रताप नगर में बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर चाचा और भतीजे के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हथियार तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार पहले यहां 10 इंच की पुरानी दीवार बनी हुई थी, जिसे तोड़कर दोनों पक्ष आपसी सहमति से 5-5 इंच की अलग-अलग दीवार बनवाने की बात कर रहे थे ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो।

बताया जाता है कि निर्माण कार्य के लिए राजमिस्त्री भी बुलाया गया था, लेकिन इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। सूरज राणा ने आरोप लगाया कि उसके चाचा दिनेश राणा और उनके बेटे आशुतोष राणा मौके पर पहुंच गए और काम रुकवा दिया। विवाद बढ़ने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

आरोप है कि इसी दौरान आशुतोष राणा बुलेट मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और अपने पास रखा रिवॉल्वर निकाल लिया। हालांकि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे की नजर पड़ते ही वह हथियार लहराते हुए ज्यादा आगे नहीं बढ़ा और वापस अंदर चला गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

घटना की सूचना मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस एहतियात के तौर पर दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति को थाने ले गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। यदि किसी के द्वारा हथियार का दुरुपयोग करने की पुष्टि होती है तो विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बना रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से स्थिति सामान्य हो गई।

बीजीएच मे मनी कट पर 100% रोक लेकिन अन्य समस्याओ का अंबार : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जेनरल अस्पताल मे काम कर रहे लगभग 300 ठेका सफाई मित्र काम कर रहा जिनका अनेक समस्याओं को लेकर आज झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे आक्रोश प्रर्दशन किया गया जिसमे सेकडो महिला एवं पुरूष कर्मीयों ने भाग लिया । अपने सम्बोधन मे महामंत्री बि के चौधरी ने बी जी एच प्रबंधन को ठेकाकर्मीयों के मनीकट पर 100% रोक लगाया हुआ है इसके लिए बी जी एच प्रबंधन को धन्यवाद। लेकिन अन्य समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है । बी एस एल प्रबंधन को आडे हाथों लेते हुए कहा कि बोकारो जनरल अस्पताल मे सफाई मित्र वह काम बर्षों से करते हुए कर रहा है जो समाज का अन्य ब्यकि उस काम या समान को देखकर नाक पर रूमाल रख लेता है या उस काम को देखना भी पसन्द नही करता है ।वह काम चाहे पेसेन्ट का मल मूत्र हो या पूरे अस्पताल का शौचालय से लेकर फ्लोर, दिवाल, खिडकी या वायोवेस्ट का रखरखाव हो या मृत शरीर का रखरखाव लेकिन इन मजदूरों को न्यूनतम बेतन के अतिरिक्त जो अन्य सुविधा मिलना चाहिए जो नही मिल रहा है ।इसलिए जल्द से जल्द इनके समस्याओ को प्रबंधन दूर करें अन्यथा प्रबंधन बड़े आन्दोलन का सामना करने केलिए तैयार हो जाए। मांगो मे प्रमुख रूप से समयाअवधि पर उपर का ग्रेड,सभी को क्वार्टर या झोपड़ी बनाने हेतु 5 डिसमिल जमीन, आश्रित को नियोजन, स्टेन्ड मे मुफ्त साईकिल , मोटरसाइकिल रखने की सुविधा,ठेकेदार के बदले बोकारो स्टील गुणवत्तायुक्त सभी प्रकार का दस्ताना,जूता ,मास्क,रेनकोट, पी एफ श्रृण को आसान बनाने,राष्ट्रीय अवकाश के दिन दोगुणा पारिश्रमिक, प्रत्येक महिना के पहले सप्ताह मे बेतन भुगतान इत्यादि का निराकरण प्रबंधन को समय रहते कर देना चाहिए। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, आर बी चौधरी, विक्की कुमार, सिकंदर राम, राजू राम, संजय राम, अनिल कुमार राम, महाबीर प्रसाद, आनन्द कुमार, बिरजू राम, अजय राम, बिंदेर राम, राजेन्द्र राम, धनेश्वरी,सीमा देवी, सोनू कुमार, गणेश राम, गोपाल कृष्ण, जितेन्द्र कुमार सिंह, बिनोद गोप, शिवचरण रजक, सनातन पाठक, अजय रजवार, मोहम्मद अंसरुल इत्यादि उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में दो दिवसीय 'फनफिनिटी' फन वीक संपन्न

किताबी ज्ञान से ज्यादा वास्तविक अनुभव सिखाते हैं जीवन का पाठ : सूरज शर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय, बोकारो में किताबी ज्ञान से बढ़कर विद्यार्थियों के समावेशी विकास पर अधिक जोर दिया जाता है। इसी क्रम में विद्यालय में प्री-प्राइमरी और प्राइमरी (कक्षा 1 व 2) के नन्हे बच्चों के लिए आयोजित दो दिवसीय 'फनफिनिटी' कैंप हर्षोल्लास के साथ मंगलवार, 17 मार्च को संपन्न हुआ। इस विशेष शिविर का उद्देश्य बच्चों को किताबी दुनिया से दूर व्यावहारिक अनुभव और भारतीय संस्कृति से रूबरू कराना था। विद्यालय के प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि ज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। वास्तविक जीवन के अनुभव बच्चों को कहीं अधिक और बेहतर सिखाते हैं। विशेषकर प्री-प्राइमरी और प्राइमरी सेक्शन के बच्चों को तेजी से सीखने के लिए दृश्य और व्यावहारिक अनुभवों की आवश्यकता होती है।

शिविर के पहले दिन बच्चों को विभिन्न शैक्षणिक भ्रमणों पर ले जाया गया। कक्षा प्रेप के बच्चों ने अमृत पार्क का भ्रमण किया। यहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य के बीच नई चीजों को खोजा और भरपूर आनंद लिया। इसके साथ ही, कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थी सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज गौशाला भ्रमण पर गए। यहाँ बच्चों ने न केवल प्रकृति का आनंद लिया, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े। विद्यार्थियों ने गौ-सेवा की और अपने हाथों से गायों को गुड़ और रोटी खिलाई। साथ ही, बच्चों ने देखा कि पुराने समय में लोग मिट्टी के कच्चे घरों में कैसे रहते थे। अंत में विद्यार्थियों को शुद्ध और ताजे दूध से बनी शीतल छाछ का आनंद लेने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

'फनफिनिटी' के दूसरे दिन चिन्मय विद्यालय, बोकारो के बच्चों की रचनात्मक क्षमता निखर कर सामने आई। कक्षा पहली और दूसरी के छात्रों के लिए कई मजेदार गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें उन्होंने कागज के सुंदर फूल बनाए, कुकिंग विदाउट फायर, यानी आग के इस्तेमाल के बिना उन्होंने स्वादिष्ट पकवान बनाए। साथ ही, बैलेंस गेम और बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, यानी बेकार सामान से सुंदर कलाकृतियां बनाई गईं। वहीं, प्री-नर्सरी और नर्सरी के छोटे बच्चों को सेक्टर - 4 स्थित जगन्नाथ मंदिर ले जाया गया, जहां उन्होंने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और दिव्य वातावरण का अनुभव किया।

दो दिवसीय इस ज्ञानवर्धक और मनोरंजक शिविर की सफलता पर प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने बच्चों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने दोहराया कि नई पीढ़ी के बच्चों को भारत की परंपराओं और संस्कृति को करीब से जानना और अनुभव करना चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

ईएसएल स्टील ने सिंदूरपेटी के नंदघर में बच्चों के साथ बांटी खुशियां

बिभा संवाददाता

बोकारो: युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने और समुदाय से जुड़ाव को और मजबूत करने के उद्देश्य से, ईएसएल स्टील लिमिटेड के उरफ टीम ने सिंदुरपेटी स्थित वेदांता समर्थित नंदघर में एक नेतृत्व दौरे का आयोजन किया। इस पहल का नेतृत्व *श्री रवीश शर्मा, डिप्टी सीईओ एवं होल-टाइम डायरेक्टर, ईएसएल स्टील लिमिटेड* ने किया, जिनकी उपस्थिति ने इस अवसर को विशेष बना दिया।

इस दौरे ने बच्चों, अभिभावकों और समुदाय के प्रतिनिधियों को एक साथ लाकर देखभाल, शिक्षा और सामूहिक प्रगति का संदेश दिया।

इस अवसर पर श्री रवीश शर्मा, डिप्टी सीईओ एवं होल-टाइम डायरेक्टर, ईएसएल स्टील लिमिटेड के साथ श्री कुनाल दरिपा, हेड-सीएसआर, ईएसएल स्टील लिमिटेड, श्री बसुदेव राजवार-मुखिया, बिजुलिया और श्री आनंद कुमार, शिक्षा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर-द अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन सहित सीएसआर टीम और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसके बाद नंदघर पहल और उसके शिक्षा व पोषण पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने कविता पाठ कर माहौल को भावनात्मक और खुशनुमा बना दिया, वहीं अभिभावकों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

इस दौरान आपसी सम्मान के प्रतीक के रूप में मुखिया और कंपनी प्रतिनिधियों के बीच शॉल का आदान-प्रदान किया गया। अतिथियों ने पारंपरिक गोधभराई और अन्नप्राशन समारोह में भी भाग लिया, जो नंदघर के समग्र विकास दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों को स्कूल बैग और पानी की बोतलों का वितरण रहा। ये छोटे कदम बच्चों के बड़े सपनों की ओर एक पहल हैं। अंत में अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया, जो बेहतर और हरित भविष्य का प्रतीक दर्शाता है।

इस अवसर पर श्री रवीश शर्मा ने कहा ईएसएल स्टील में हम केवल उद्योग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समुदाय के विकास के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। नंदघर एक ऐसा स्थान है जहाँ बच्चों का भविष्य संवारा जाता है और माताओं को सहयोग मिलता है। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखना हमारे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

वेदांता की नंदघर पहल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव को एक साथ जोड़ने का एक प्रभावी मॉडल है। ईएसएल स्टील ऐसे प्रयासों के माध्यम से समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय के साथ जुड़ाव को मजबूत करना और नंदघर सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

झारखंड विधानसभा में धान खरीद, पीडीएस और मुआवजा भुगतान का उठा मुद्दा, मंत्रियों ने दिया जवाब

बिभा संवाददाता

रांची । झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को सदन में धान खरीद, पीडीएस व्यवस्था और मुआवजा भुगतान जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। विभिन्न विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाईं, जिस पर संबंधित मंत्रियों ने सरकार का पक्ष रखते हुए जवाब दिया।

गढ़वा जिले में धान खरीद को लेकर विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि अब तक 50 प्रतिशत भी खरीद पूरी नहीं हो पाई है और किसानों से धान खरीद के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन भी नहीं किया जा रहा है। इस पर जवाब देते हुए मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दावा किया कि गढ़वा में लक्ष्य से अधिक धान की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि दो लाख क्विंटल के लक्ष्य के मुकाबले 2.5 लाख क्विंटल धान की खरीद की गई है और किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्री इरफान अंसारी ने यह भी जानकारी दी कि पूरे राज्य में 60 लाख क्विंटल के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 80 प्रतिशत धान की खरीद पूरी हो चुकी है। उन्होंने विधायक अनंत प्रताप देव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें सदन की कार्यवाही को बेहतर समझने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्र में किसान कम और नेता ज्यादा हैं।

पीडीएस दुकानदारों के कमीशन को लेकर विधायक अमित यादव के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि दुकानदारों को प्रति किलो 1.50 रुपये का कमीशन दिया जाता है। इसके अतिरिक्त चीनी, नमक, केरोसिन तेल, चना दाल, धोती और साड़ी पर एक रुपये प्रति यूनिट का कमीशन निर्धारित है। उन्होंने कहा कि दुकानों में इस्तेमाल होने वाले बटखरों का सत्यापन हर दो वर्ष में किया जाता है और भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग मशीन लगाने की योजना भी है।

वहीं, विधायक मथुरा महतो ने ओरमांझी क्षेत्र में भारतमाला परियोजना के तहत मुआवजा भुगतान में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि केवल एक नोटिस के आधार पर किसी रैयत का दावा खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने चार करोड़ रुपये के भुगतान

झारखंड विधानसभाः जगराहा डैम पर सरकार लाएगी नई योजना, बिजली विभाग में जल्द होगी भर्ती

रांची। रांची में चल रहे झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17वें दिन बुधवार को चंदवा स्थित जगराहा डैम का मुद्दा सदन में प्रमुखता से उठा। इस दौरान जल संसाधन विभाग की नई योजना की महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। जमशेदपुर पूर्व से विधायक सरयू राय ने डैम की वर्तमान स्थिति को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे। उन्होंने बताया कि टोरी रेलवे स्टेशन (चंदवा) के पास एक प्राकृतिक भूगर्भ जल स्रोत है, जहां से निरंतर स्वच्छ पानी निकलता है और करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित जगराहा डैम में जाकर जमा होता है। उन्होंने कहा कि यह डैम चंदवा क्षेत्र में जलापूर्ति और मत्स्य पालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में डैम में प्लास्टिक, गाद, जलकुंभी और कचरे का जमाव बढ़ गया है, जिससे इसकी गहराई घट रही है और जलमार्ग संकरा होता जा रहा है। सरयू राय ने यह भी बताया कि डैम की सिंचाई क्षमता लगभग दो हेक्टेयर है और यह आसपास के क्षेत्र के भूजल स्तर को संतुलित रखने में भी मदद करता है। उन्होंने डैम में पानी लाने वाले नाले की सफाई और मरम्मत कराने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि यह डैम निजी जमीन (राजा की संपत्ति) में आता है, इसलिए विभाग सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि वर्तमान नीति के तहत पांच एकड़ से बड़े तालाबों का ही जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण किया जाता है। हालांकि, मंत्री ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि सरकार जल्द नई योजना लाने जा रही है, जिसके तहत अब 2.5 एकड़ तक के छोटे तालाबों का भी जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण किया जाएगा। इससे छोटे जलस्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

28वीं सब जूनियर नेशनल सेपक टकरा चैंपियनशिप के लिए विभिन्न उपसमितियों का गठन

रांची(बिभा) : आगामी 28वीं सब जूनियर नेशनल सेपक टकरा चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए आज मोराबादी स्थित स्टेडियम परिसर में आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतियोगिता के सुचारु संचालन के लिए विभिन्न उपसमितियों का गठन किया गया। आयोजन समिति में संरक्षक : सुनील कुमार (आईएएस), दिलीप तिर्की, चेयरमैन : सुनील सूर्यांत, अध्यक्ष : उदय साहू, महासचिव : शिवेंद्र नाथ दुबे, कोषाध्यक्ष : मनोज कुमार साहू। बैठक में सभी पदाधिकारियों से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

आदित्य साहू ने नितिन नवी एवं अमित शाह से की मुलाकात

रांची(बिभा) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से एवं भारत के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और प्रदेश के समसामयिक विषयों पर चर्चा की ,मार्गदर्शन प्राप्त किया।

कपड़ा उद्योग कंपनी में देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में सफल आंदोलन, पांच सूत्री मांगों पर बनी लिखित सहमति

रांची(बिभा): लंबे समय से लंबित वेतन भुगतान एवं अन्य समस्याओं को लेकर आज श्रमिकों द्वारा जोरदार आंदोलन किया गया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व एवं समर्थन में अस्टाइलेक्कर अप्रैल प्राइवेट लिमिटेड, कुल्ही के समक्ष धरना-प्रदर्शन हुआ। इस दौरान श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सूचना मिलते ही स्थानीय औरमांझी थाना प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। काफी देर तक चली वार्ता के पश्चात श्रमिकों और कंपनी प्रबंधक गौरव सिंह के बीच पांच सूत्री मांगों पर सामूहिक रूप से लिखित सहमति बनी। वार्ता के दौरान देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि किसी भी कंपनी की रीढ़ उसके मजदूर होते हैं, इसलिए उनके न्यायोचित अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजदूर अधिनियम-1948 के तहत न्यूनतम मजदूरी दर के अनुरूप श्रमिकों को सम्मानपूर्वक भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रांची मेयर और बुंडू नगर पंचायत अध्यक्ष का शपथ ग्रहण कल, सुरक्षा को लेकर निषेधाज्ञा लागू

रांची (बिभा): रांची नगर निगम महापौर/वार्ड पार्षद एवं बुंडू नगर पंचायत अध्यक्ष/वार्ड सदस्य का शपथ ग्रहण 19 मार्च को पूर्वाह्न 10:30 बजे से समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए, कमरा संख्या-207 एवं 608 में निर्धारित है। शपथ ग्रहण पूर्ण होने के पश्चात रांची नगर निगम के उपमहापौर एवं बुंडू नगर पंचायत के उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाना है। इस अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अनुमंडल दण्डाधिकारी, सदर, रांची द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राँची सदर अनुमंडल अंतर्गत राँची समाहरणालय भवन परिसर में निषेधाज्ञा जारी की गई है। सदर एसडीएम कुमार रजत ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे निषेधाज्ञा का पालन करें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें। उनका कहना है कि नागरिकों के सहयोग से शपथ ग्रहण कार्यक्रम सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकेगा।

विहिप का रामोत्सव कार्यक्रम आज से

रांची(बिभा) : केंद्रीय योजना के अनुसार विश्व हिंदू परिषद द्वारा वर्ष प्रतिपदा से चैत्र पूर्णिमा तक प्रदेश के सभी प्रखंड, ग्राम एवं नगरों की समितियां द्वारा श्री रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश में लगभग 5000 कार्यक्रम करने की योजना है। प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया भगवान राम हमारे सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन के आदर्श हैं और हिंदू जनमानस के कण-कण में व्याप्त हैं। उन्होंने बताया कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा भगवान राम के चरित्र के माध्यम से कुटुंब प्रबोधन एवं सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। साथ ही वर्तमान समय में विश्व हिंदू परिषद द्वारा इस दिशा में किये जा रहे विविध गतिविधियों की भी जानकारी दी जाएगी।

विधानसभा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंजा, डीजे प्रतिबंध को लेकर भाजपा-आजसू विधायकों का विरोध

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन बुधवार को विधानसभा परिसर ह्यजय श्रीरामह्न के नारों से गूंज उठा। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के विधायकों ने विधानसभा गेट के बाहर भगवान श्रीराम की तस्वीर के साथ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।

विपक्षी विधायकों ने हजारीबाग जिले में रामनवमी जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ तख्ती-बैनर लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्य सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन कर रहे भाजपा और आजसू विधायकों का कहना था कि हजारीबाग के बड़कागांव के महूदी क्षेत्र में रामनवमी जुलूस में डीजे बजाने पर रोक लगाई गई है, जो अनुचित है। उनका आरोप था कि यह निर्णय एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए लिया गया है। हजारीबाग के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस आदेश को ह्लतुगलकी फरमानह्न बताते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रामनवमी जैसे धार्मिक पर्व पर इस तरह के प्रतिबंध दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस महूदी क्षेत्र को संवेदनशील बताया जा रहा है, वह अब तक संवेदनशील क्यों बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन ऐसे प्रतिबंध लगाकर स्थिति को और जटिल बना रहा है।

वहीं, इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि कुछ विधायक माहौल बिगाड़ने और लोगों को उकसाने का प्रयास कर रहे हैं, जिन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रामनवमी मनाने पर कोई रोक नहीं है, केवल डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न्यायालय के निदेर्शों और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मंत्री ने यह भी टिप्पणी की कि कई विधायक पहली बार चुने गए हैं और उन्हें नियमों की जानकारी कम है। ऐसे में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से नए विधायकों के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था कराने का आग्रह करने की बात कही।

इस मुद्दे को लेकर सदन के भीतर और बाहर राजनीतिक माहौल गरमाया रहा और पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली।

रांची में कांग्रेस का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, राहुल गांधी करेंगे शिरकत

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में कांग्रेस ने बड़ी पहल की है। राहुल गांधी के संभावित दौरे के बीच झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, चाईबासा (पश्चिम सिंहभूम) में आयोजित होगा, जिसमें झारखंड और ओडिशा के डीसीसी अध्यक्ष भाग लेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि शिविर में संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं की भूमिका, जनसंपर्क और राजनीतिक रणनीति जैसे अहम विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शिविर के दौरान एक दिन शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी जिला अध्यक्षों से 21 मार्च की शाम तक या 22 मार्च सुबह 10 बजे से पहले प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर पंजीकरण कराने की अपील की है। धनबाद जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का इस कार्यक्रम में शामिल होना संगठन के लिए गर्व की बात है और इससे कार्यकताओं का मनोबल और मजबूत होगा।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का आरक्षण बढ़ाओ- रोजगार दो सम्मेलन 23 को

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति के प्रमुख पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार ने किया. बैठक में ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफ करने, वैश्य समाज के ऊपर हो रहे हमलों, हत्या, लूट, रंगदारी की मांग, रामगढ़ जिले में जीएम लैंड की रसीद निर्गत करने आदि को लेकर चर्चा की गई. तत्पश्चात सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अपनी मांगों को लेकर फिर से आंदोलन और अभियान तेज किया जायेगा. इसके तहत तय किया गया कि शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया के जयंती पर 23 मार्च को रांची के आलोका सभागार में आरक्षण बढ़ाओ- रोजगार पर दो सम्मेलन आयोजित किया जायेगा. जबकि वैश्य दिवस के अवसर पर 23 अप्रैल को रामगढ़ में वैश्य कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इसकी तैयारी के लिए सभी केंद्रीय पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों को सूचना भेजी जायेगी. दोनों कार्यक्रमों में वैश्य समाज के वरीय नेताओं एवं बुद्धिजीवियों को भी आमंत्रित किया जायेगा. बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर कहा गया कि चालू विधानसभा सत्र में भी सरकार ने वैश्य एवं ओबीसी को निराश किया है. वैश्य ओबीसी के मुद्दे पर कुछ भी सकारात्मक पहल नहीं किया है. इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु, उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव शिव प्रसाद साहु, मुख्य प्रवक्ता रोहित कुमार साहु, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य मुख्य रूप से उपस्थित थे.

झारखंड विधानसभा में गूंजी सुड़ी समाज की मांगः विधायक जयराम कुमार महतो का समाज ने आभार व्यक्त किया

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र 2026 के दौरान डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने राज्य के सुड़ी समाज की वर्षों पुरानी और न्यायसंगत मांग को पूरी प्रखरता के साथ सदन के पटल पर रखा। जब पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे पड़ोसी राज्यों में सुड़ी समाज को पहले से ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है, तो झारखंड में इन्हें इस अधिकार से वंचित रखना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि झारखंड के सुड़ी समाज की जीवनशैली, संस्कृति और परंपराएं अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति में शामिल सुड़ी समाज के बिल्कुल समान हैं।

झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल विधायक आवास (नया विधानसभा के समीप) पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने सुड़ी समाज की आवाज बुलंद करने के लिए विधायक जयराम कुमार महतो जी को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं गीता पुस्तक भेंट कर विशेष आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्याधर प्रसाद (महासचिव) कुणाल कुमार शाह (सह-कोषाध्यक्ष), अरुणदेव प्रसाद कुमार, मिथिलेश प्रो. साहु, ओमप्रकाश साहु, पंकज साहु, चंदन कुमार, कुशेश्वर चौधरी, सुड़ी समाज जमशेदपुर के सनत मंडल, मती बिन्दु देवी, सहदेव मंडल, तपन मंडल, सोहनलाल मंडल, ब्रजलाल मंडल, बुद्धेश्वर मंडल उपस्थित थे।

महासचिव विद्याधर प्रसाद ने कहा कि समाज अपने हक की लड़ाई के लिए विधायक जी के इस कदम की सराहना करता है और आशा करता है कि राज्य सरकार जल्द ही केंद्र को सकारात्मक प्रस्ताव भेजेगी।

दिव्यांगजनों के लिए कंप्यूटर एवं डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण

तकनीकी प्रशिक्षण से दिव्यांग को सक्षम बनाने की पहलः मयंक मुरारी

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन के द्वारा दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस केंद्र में प्रारंभिक चरण में 20 दिव्यांग प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पानेवाले दिव्यांगों के आवागमन के लिए ट्राईसाईकिल की भी व्यवस्था की गयी है। इस पहल के तहत उषा मार्टिन फाउंडेशन ने अगधबोध संस्था को क्रियान्वयन साझेदार के रूप में नियुक्त किया है, जो प्रशिक्षण के संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी निभा रहा है।

उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने दम पर रोजगार या स्वरोजगार के अवसर विकसित कर सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी, इंटरनेट उपयोग, डिजिटल सेवाओं की समझ तथा ऑनलाइन कार्य करने के कौशल सिखाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से केवल प्रशिक्षण प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनेगा।

अगधबोध संस्थान के प्रदीप गुप्ता ने कहा कि यह पहल दिव्यांगजनों को डिजिटल दुनिया से जोड़ने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा, जिससे वे आगे चलकर स्वरोजगार या नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकें। रांची जिला दिव्यांग समाज के अध्यक्ष तबरेज अंसारी ने बताया कि इस तरह की पहल से दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी और वे अपने हुनर के दम पर एक बेहतर भविष्य बना सकेंगे। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागियों में राम दयाल सिंह,रिंकी कुमारी, पूर्णी कुमारी, राजमनी कुमारी,काजल कुमारी, शेखर चैधरी, सीता कुमारी, शाहीना परवीन, सुशील उरांव,तीरथ कुमार,सिकंदर महतो, पूजा कुमारी, भवानी कुमारी, ईश्वर कुमार महतो,नकुल महतो, सुहानी कुमारी,मन्नू महतो,भोला मुंडा,बाबलू मुंडा, निशा कुमारी, रानी कुमारी,प्रिया कुमारी,प्रियंका कुमारी,खुशबू कुमारी,मनोहर अंसारी,टन्नू कुमारी,संगीता कुमारी है।

राँची मंडल के तहत विभिन्न कैटेगरी के लिए ई-नीलामी सूचना

सं. सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन /2026 **दिनांक: 17.03.2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची-834003 द्वारा राँची मंडल के तहत ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग आईआरईपीएस वेबसाइट पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं: • **कैटेगरी: प्रमोशनल कियोस्क (एमआईएससी स्टैटिक्स), कैटलॉग सं.: आरएनसीप्रमोशनल1, परिसंपत्तियों का विवरण: (i)** राँची रेलवे स्टेशन में प्रमोशनल कियोस्क के परिचालन एवं रखरखाव के लिए ई-नीलामी। **(ii)** हटिया रेलवे स्टेशन में टू व्हीलर, थ्री व्हीलर एवं फोर व्हीलर वाहनों की ऐप आधारित सेवा की आसानी से उपलब्धता/बुकिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रमोशनल कियोस्क की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू :** दिनांक 25.03.2026 को 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 25.03.2026 को 11.40 बजे। • **कैटेगरी: पार्किंग, कैटलॉग सं.: आरएनसीपार्किंग48, परिसंपत्तियों का विवरण:** पिस्का, बानो और ईटकी रेलवे स्टेशनों में पार्किंग का प्रबंधन। **नीलामी शुरू :** दिनांक 24.03.2026 को 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 24.03.2026 को 11.50 बजे। • **कैटेगरी: पीएमबीजेके, कैटलॉग सं.: पीएमबीजेके, परिसंपत्तियों का विवरण:** राँची रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र का संचालन और रखरखाव। **नीलामी शुरू :** दिनांक 26.03.2026 को 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 26.03.2026 को 11.30 बजे। • **कैटेगरी: विज्ञापन, कैटलॉग सं.: आरएनसीएडीवीटी47, परिसंपत्तियों का विवरण:** राँची रेलवे स्टेशन के आउट ऑफ होम-5, इनसाइड स्टेशन-1, ट्रेन एक्सटीरियर-3 और ट्रेन इंटीरियर-1 हेतु वाणिज्यिक प्रचार अनुबंधों के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू :** दिनांक 23.03.2026 को 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 23.03.2026 को 13.00 बजे। • **कैटेगरी: बैटरी ऑपरेटेड कार (एमआईएससी-स्टैटिक्स), कैटलॉग सं.: आरएनसीबीओसी25, परिसंपत्तियों का विवरण:** हटिया रेलवे स्टेशन पर 03 वर्ष की अवधि के लिए 02 बैटरी ऑपरेटेड कार्ट की व्यवस्था और संचालन हेतु वाणिज्यिक प्रचार अनुबंधों के लिए ई-नीलामी। **नीलामी शुरू :** दिनांक 27.03.2026 को 11.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 27.03.2026 को 11.30 बजे। **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। ऊपर उल्लिखित कैटलॉग के तहत लॉट वार विवरण वहाँ उपलब्ध है।

(PR-1325) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, राँची**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

नवरात्रिः आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों

वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें ह्यशुभंकारीह्ल भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दशार्ती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।?

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

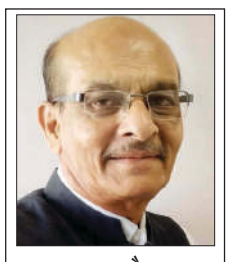

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है। बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं।

रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति 'चयनात्मकइ रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुनः स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी।

यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं । इस युद्ध की वजह से पूर्ण विश्व महंगाई सहित अन्य चीजों से कराहा उठा है। कच्चे तेल ने खेल ही कर दिया। बात कर रहे हैं पाकिस्तान की जो कि अन्य देशों की तुलना में भुखमरी के कगार पर है ऐसे में वह काबुल पर असमय बमबारी कर रहा है मासूमों की जान ले रहा है। पूरा विश्व खामोशी के साथ यह सब देख रहा है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान को अपने आस्तीन में पालने वाले देश भी भलीभांति जान ले कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है सबसे पहले वही उस गड्ढे में गिरता है। ऐसा ही हाल उन देशों का हो रहा है जो अपने महान देश बनाने के चक्कर में शांति के लिये भी खतरा बनते जा रहे हैं।

ऐसे पाकिस्तान देश कितने दिनों के हैं। जब दूसरे पर बम फोड रहे हैं तो दूसरा देश बदला तो लेगा ही। कहने का आशय है कि जो देश गरीबी में जी हरा है। वह अपने को विकास करने की जगह अपने को आग की भट्टी में झोंक रहा है।

भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा कर कहा है कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दशार्ता है। यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

पाकिस्तान को स्वयं अपने अंदर झांकना चाहिए। १९४७ से भारत से अलगहोकर पता नहीं क्यों अपने अंदर इतनी नफरत पाल ली है कि उसमें से वह निकलना नहीं चाहता ? दो भाई जब अलग होते हैं जो कि एक सामान्य सी प्रक्रिया है। हालांकि अलग होने में दर्द बहुत होता है लेकिन विस्तार के लिए यानी पाकिस्तान का जिसके लिए निर्माण हुआ वह १९४७ के बाद से आज तक दिखा नहीं? पाकिस्तान को भारत को कमजोर करने के लिए कुछ विदेशी ताकतें पोश रही है लेकिन भारत पूर्व में भी अपनी शांति का परिचय देता आया है लेकिन जब जब जरूरत पड़ी तब तब अदम्य साहस विकसितता का परिचय देता आया है।

डीजीपी तदाशा मिश्रा ने हजारीबाग में रामनवमी रूट का किया निरीक्षण, दिए कई जरूरी निर्देश

सुरक्षा में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं:डीजीपी

प्रमोद खण्डेलवाल

हजारीबाग : रामनवमी के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है और किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए फूलप्रूफ योजना तैयार की जा रही है। इसी क्रम में झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने हजारीबाग पहुंचकर रामनवमी जुलूस मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया और सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। करीब 45 मिनट तक डीजीपी शहर की सड़कों पर मौजूद रहीं और जुलूस मार्ग के हर महत्वपूर्ण बिंदु का बारीकी से अवलोकन किया। गौरतलब है कि हजारीबाग में यह पहला अवसर है जब किसी डीजीपी ने स्वयं सड़कों पर उतरकर रामनवमी जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया है। इसे प्रशासनिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी और हर स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिले

के सभी वरीय एवं पुलिस पदाधिकारी सड़कों पर मौजूद रहे। डीजीपी ने इंद्रपुरी और झंडा चौक जैसे प्रमुख स्थलों पर रुककर वहां की भौगोलिक स्थिति, भीड़ प्रबंधन और जुलूस के आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद वह बड़ा अखाड़ा पहुंचीं, जहां पुलिस पदाधिकारियों के साथ उन्होंने विस्तार से चर्चा की और जुलूस के दौरान संभावित चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात उन्होंने महावीर स्थान,ग्वाल टोली होते हुए जामा मस्जिद रोड पहुंची जहां उन्होंने पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया, जहां पुलिस अधीक्षक ने उन्हें जुलूस से संबंधित हर पहलू की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बोकारो रेंज के आईजी सुनील भास्कर, डीआईजी अंजनी झा,हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन तथा उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह भी लगातार डीजीपी के साथ मौजूद रहे और उन्हें विभिन्न व्यवस्थाओं से अवगत कराते रहे। डीजीपी ने मौके पर ही कई अहम निर्देश दिए और साफ तौर पर कहा कि सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही कतई स्वीकार नहीं की जाएगी। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि पुलिस द्वारा व्यापक और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि आम जनता बिना किसी भय के उत्साह और उमंग के साथ रामनवमी का पर्व मना सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन-जिन मार्गों से जुलूस गुजरेगा, उन सभी का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। रूट वेरिफिकेशन से पहले डीजीपी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक भी की, जिसमें जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई और विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। हजारीबाग के एसपी से सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली गई और आवश्यकतानुसार सुधार के निर्देश भी दिए गए। रामनवमी जुलूस मार्ग का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा जामा मस्जिद रोड को माना जाता है। इस क्षेत्र में भी डीजीपी स्वयं पैदल चलकर निरीक्षण करने उतरीं और वहां की परिस्थितियों का जायजा लिया। प्रशासन के लिए इस मार्ग से जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से निकालना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, इसलिए यहां विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। डीजीपी ने इस दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने और हर स्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। हजारीबाग में इस बार सुरक्षा को लेकर अभूतपूर्व तैयारी देखने को मिल रही है। रामनवमी से पहले ही तीन से चार बार फ्लैग मार्च किया जा चुका है, जिससे लोगों में सुरक्षा को लेकर विश्वास कायम हुआ है। इसके अलावा दो अलग-अलग स्थानों पर मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार रहे। ऐसे में रामनवमी से ठीक पहले डीजीपी का खुद पहुंचकर निरीक्षण करना प्रशासनिक गंभीरता को दर्शाता है और इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान छोटी-छोटी बातों को अनावश्यक तूल देने के बजाय शांति और भाईचारे का माहौल बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी वर्षों से आपसी सौहार्द और भाईचारे की मिसाल रही है और प्रशासन इस परंपरा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों समुदायों से अपील की कि वे मिल-जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं और किसी भी अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें। साथ ही उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि वे सकारात्मक भूमिका निभाते हुए शांति और सद्भाव का संदेश प्रसारित करें, ताकि रामनवमी का पर्व हजारीबाग में शांति, सौहार्द और भव्यता के साथ संपन्न हो सके। प्रशासन ने विश्वास जताया है कि सभी के सहयोग से इस वर्ष भी हजारीबाग की रामनवमी पूरी तरह शांतिपूर्ण और ऐतिहासिक रूप से सफल आयोजन के रूप में सामने आएगी।

रामनवमी, ईद-उल-फितर एवं सरहुल पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला प्रशासन द्वारा आगामी रामनवमी, ईद-उल-फितर एवं सरहुल जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने एवं विधि व्यवस्था का नियम संगत पालन हो। इसी उद्देश्य से प्रशासन सभी वर्गों एवं समुदायों के गणमान्य एवं बुद्धिजीवी नागरिकों से संवाद कर रही है। इसी कड़ी में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर के विभिन्न मौलाना, मौलवी, सद्भावना विकास मंच के सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी प्रतिनिधियों ने बारी-बारी से अपनी बात रखते हुए जिला प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। प्रमुख रूप से बिजली संबंधी तार एवं पोल को ठीक करने, सड़कों में व्याप्त गड्ढों की मरम्मत, विवादित गानों पर रोक, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था, मस्जिदों की सुरक्षा, पेड़ो की कटाई, संबधी, सोशल मीडिया की सतत निगरानी तथा जरूरत के अनुसार सुरक्षा बलों की तैनाती जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।जिला प्रशासन द्वारा सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें सुदृढ़ एवं प्रभावी ढंग से लागू करने का आश्वासन दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों से अपील की कि वे आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं शांति बनाए रखते हुए त्योहारों को मनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में लेने वाले या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे सहयोग की भावना के साथ प्रशासन का साथ दें, ताकि सभी पर्व शांति, सौहार्द एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हो सकें।

बैठक में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह के अतिरिक्त सदर एसडीओ श्री आदित्य पांडेय, अपर समाहर्ता श्री संतोष सिंह, प्रशिक्षु आईएएस श्री आनंद शर्मा, डीसीएलआर श्री राजकिशोर प्रसाद, डीपीआरओ श्री रोहित कुमार, एनडीसी श्री प्रदीप कुमार सहित सद्भावना विकास मंच के सदस्य, इरफान अहमद काजू, अब्दुल गालिब सईद, मो. इकबाल रजा, सैयद कुंवर, मो. मुस्तकीम, फहीमुद्दीन, गुलाम फहुद्दीन, मो. इहतेशान, दानिश, मो. शहगद, रिंकू हुसैन, मकसिर आलम, सोहेल खान, परवेज अहमद, कमरुद्दीन, इकरार अहमद, सबा करीम, जफर शरीफ, शाहिद हुसैन, मो. महताब, कामिल अख्तर, गालिब अहमद, मो. इस्माइल अंसारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आज रामगढ़ में सभा को संबोधित करेंगे डॉ.प्रवीण भाई तोगड़िया

रामगढ़(बिभा): 19 मार्च गुरुवार को हिन्दू नववर्ष के अवसर पर अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया का आगमन रामगढ़ जिले में होने जा रहा है जिनके स्वागत की तैयारी को लेकर जिले भर के तमाम हिन्दू संगठनों में काफी जोश देखा जा रहा है। हिन्दू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बताया कि डॉ तोगड़िया का आगमन सड़क मार्ग से रामगढ़ जिले में होगा और सर्वप्रथम संध्या 5 बजे सिद्धू कान्हु मैदान बाजार टांड़ में उनका भव्यता से स्वागत सनातन प्रेमियों द्वारा किया जाना सुनिश्चित हुआ है। तत्पश्चात रोड शो के माध्यम से डॉ तोगड़िया को थाना चौक होते हुए संध्या सवा पांच बजे सत्कौडी कॉम्प्लेक्स के समीप बजरंग क्लब के युवाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। तत्पश्चात सुभाष चौक स्थित दुर्गा मंदिर के समीप उनका उद्बोधन होना तय हुआ है जिसमें भारी संख्या में सनातन प्रेमियों की उपस्थिति रहेगी।

जनता की मांग पर त्वरित कार्रवाई: कुडू थाना प्रभारी ने रेलवे पुल के पास सड़क के गड्ढे भरवाए

लोहरदगा(बिभा) । जिले के कुडू थाना क्षेत्र में जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन की सक्रियता एक बार फिर देखने को मिली है। कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार के नेतृत्व में कुडू से बड़की चाँपी जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित 21 नंबर रेलवे पुल के समीप सड़क पर बने गहरे और खतरनाक गड्ढों को जेसीबी मशीन के माध्यम से भरवाया गया। बता दे कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी, जिसके कारण राहगीरों, खासकर दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बरसात और धूल के कारण ये गड्ढे और भी खतरनाक हो गए थे, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। गौरतलब है कि हाल ही में कुडू थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। लोगों ने प्रशासन से मांग की थी कि सड़क की मरम्मत कर गड्ढों को जल्द से जल्द भरवाया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की और संबंधित संसाधनों की व्यवस्था कर सड़क की मरम्मत करवाई। जेसीबी मशीन लगाकर गड्ढों को समतल किया गया, जिससे अब यह मार्ग आवागमन के लिए सुरक्षित और सुगम बन गया है। इस कार्य के पूर्ण होने के बाद स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे न केवल आवागमन आसान हुआ है, बल्कि संभावित दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन अगर इसी तरह जनता की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करता रहा, तो क्षेत्र में विकास और विश्वास दोनों मजबूत होंगे।

चतरा में एसएसबी जवान ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

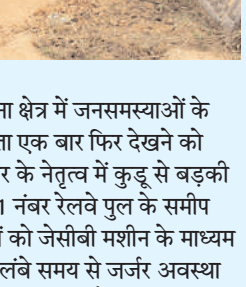

चतरा(बिभा)। सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शिला पिकेट में मंगलवार देर रात एसएसबी के एक जवान ने खुदकुशी कर ली। देर रात अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जवान गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर चुका था। जानकारी के अनुसार, जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। घटना के बाद पिकेट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल अवस्था में जवान को संभालने की कोशिश की गई, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत जवान की पहचान प्रह्लाद सिंह के रूप में हुई है। वे एसएसबी की 35वीं बटालियन में तैनात थे और झारखंड के देवघर जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ऐतिहासिक परंपरा के साथ निकला मंगला जुलूस, राममय हुआ हजारीबाग शहर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर मंगला जुलूस भव्य और ऐतिहासिक रूप से निकाला गया। ढोल नगाड़ों और जय श्री राम के गगनभेदी नारों के साथ राम भक्त सड़कों पर उतरे और पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। परंपरा के अनुसार होली के बाद पड़ने वाले प्रत्येक मंगलवार को निकलने वाला यह मंगला जुलूस इस बार भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ, जिससे हजारीबाग पूरी तरह राममय हो गया। जुलूस को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। सुबह से ही पुलिस और प्रशासन की गाड़ियां शहर में गश्त करती रहीं और देर शाम तक विभिन्न चौक-चौराहों पर अतिरिक्त बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई। सदर थाना में वरीय पुलिस पदाधिकारी कैंप करते हुए पूरे आयोजन की निगरानी करते रहे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका। शहर के विभिन्न अखाड़ों ने जुलूस के रूप में मुख्य मार्गों पर भव्य प्रदर्शन किया। छह से अधिक जुलूस झंडा चौक पहुंचे, जहां से सभी राम भक्त नाचते-गाते महावीर

स्थान मंदिर पहुंचे और भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना कर प्रसाद अर्पित किया। इसके बाद सभी अपने-अपने अखाड़ों के साथ वापस लौटे। इस दौरान चौक-चौराहों पर राम भक्तों द्वारा पारंपरिक हथियारों के साथ शौर्य प्रदर्शन भी किया गया, जिसने लोगों को आकर्षित किया। मंगला जुलूस के दौरान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भारी भीड़ देखने को मिली। हर ओर जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। लोगों में इस बार की रामनवमी को ऐतिहासिक बनाने का उत्साह साफ झलक रहा था। इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने लोगों से रामनवमी को भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी आस्था और एकता का प्रतीक है, इसलिए इसे शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। मंगला जुलूस में विधायक प्रदीप प्रसाद अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। जय श्री राम के नारों के बीच उन्होंने लाठी भांजते हुए शौर्य प्रदर्शन किया। इस जुलूस में दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में राम भक्त शामिल हुए, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। श्री प्रसाद ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि 23 मार्च को मटवारी मैदान में प्रसिद्ध भजन

गायिका शहनाज अख्तर का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जबकि 24 मार्च को भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा भी रामनवमी के दौरान कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हजारीबाग की रामनवमी को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्व माना जाता है। इस दौरान शहर का हर वर्ग, हर उम्र के लोग प्रभु श्री राम की भक्ति में लीन नजर आते हैं। बड़ा बाजार चौक के पास नन्हे बच्चों की टोली ने आकर्षक राम दरबार की झांकी प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। फोम से बनी ट्रॉली पर सजी झांकी के साथ बच्चे भजन बजाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिसे देखकर हर कोई भावविभोर हो उठा।

रामगढ़ में एक-47 से लैस हुई पुलिस, अपराधियों की नहीं गलेगी दाल

बिभा संवाददाता

रामगढ़। जिले की पुलिस अब अत्याधुनिक और ऑटोमेटिक हथियार के साथ पेट्रोलिंग करेगी। अब अपराधी अपने मंसूबे को अंजाम नहीं दे पाएंगे। रामगढ़ जिले का हर थाना और ओपी का पुलिसकर्मी एक-47 से लैश हो गया है। किसी भी क्षेत्र में अगर अपराधी गोली चलाकर पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें भी पुलिस की गोली नहीं बख्शेगी।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि रामगढ़ पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने के लिए तैयार है। जितने भी अपराधी जिले में किसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। कुछ अपराधी जिले से तड़ीपार कर दिए गए हैं। कुछ ऐसे अपराधी भी हैं जो अपने को सरगना बताते हैं। लेकिन उन लोगों ने भी रामगढ़ की धरती को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर शरण ले लिया है। इन सब के बावजूद संगठित अपराध से जुड़े लोगों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। सभी पुलिस पदाधिकारियों को हाईटेक हथियार से लैस किया गया है, ताकि अंधेरे में गोली चलाकर भागने वाले अपराधियों पर भी शिकंजा कसा जा सके। जिले में संगठित अपराध की जड़ें पतरातू से जुड़ी हुई हैं। श्रीवास्तव गैंग, पांडे गिरोह, अमन साहू जैसे गिरोह के सदस्य पतरातू क्षेत्र में अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए पतरातू क्षेत्र में पुलिस की गतिविधियां भी काफी अधिक रहेंगी। पतरातू, भुरकुंडा, भदानीनगर और बरकाकाना इलाके में पुलिस संगठित अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसके अलावा कोलियरी क्षेत्र में भी अपराधी व्यापारियों को धमकी देते हैं। उन इलाकों में भी पुलिस अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है।

उपायुक्त डॉ ताराचंद के निदेश पर कुडू के थाना मोड़ से पढ़हा भवन तक सड़क मरम्मती का कार्य शुरू

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। सरहुल,ईद और रामनवमी के अवसर पर जिला शांति समिति की बैठक में समीक्षा के दौरान बात उठी कि अठलक75 कुडु के थाना मोड़ से लेकर पड़हा भवन तक सड़क की स्थिति काफी जर्जर है जिससे आमजन के आवागमन में काफी दिक्कत आती है और इस सड़क में दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। उपायुक्त ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और मौके पर ही अविलंब सड़क की स्थिति को दुरुस्त करने का निर्देश दिया।आदेश के तुरंत उपरांत सड़क मरम्मति का कार्य किया जा रहा है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी में प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर बजट पारित किया

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में आगामी सत्र 2026-27 के लिए बजट बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय प्रतिनिधि विपिन कुमार दास विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य मनोहर मोदी ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए आय-व्यय का विस्तृत बजट प्रस्तुत किया। जिसमें भैया बहनों के सर्वांगीण विकास, आधुनिक सुविधाओं, खेलकूद और बुनियादी ढांचा के विकास एवं विस्तार पर जोर दिया गया। बैठक में आय मद एवं व्यय मद पर विस्तृत चर्चा करते हुए, सर्वसम्मति से सत्र 2026-27 का बजट पारित किया गया। डिजिटल शिक्षा पर जोर देते हुए, कंप्यूटर लैब में कंप्यूटर की संख्या बढ़ाने और कक्षाओं को स्मार्ट क्लास में बदलने के लिए बजट का एक बड़ा हिस्सा आवंटित किया गया। प्रधानाचार्य मनोहर मोदी ने बताया कि यह बजट न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि भैया बहनों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक धनंजय प्रसाद, सचिव यदुनंदन तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार एवं सदस्य लखन राम उपस्थित थें।

ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में उपायुक्त ने कहा

सभी पर्व-त्यौहार खुशनुमा माहौल में मनाएं: डॉ ताराचंद

बिभा ब्यूरो

लोहरदगा। ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में बुधवार 18 मार्च को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक नगर भवन, लोहरदगा में आयोजित हुई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आनेवाले दिनों में ईद, सरहुल, रामनवमी, चैती दुर्गा पूजा, चैती छठ, गुड फ्राईडे के त्यौहार मनाये जाने हैं। यह सभी के लिए विशेष महीना है। हम सभी को यह पर्व-त्यौहार मिलकर मनाना है। ऐसा कोई भी कार्य ना करें जिससे जिला व राज्य की छवि देश में धूमिल हो। पुरानी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। सभी अपने गांव-मोहल्ले में

सतर्क रहें और कभी भी असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने का कार्य नहीं करें। गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखें। पर्व त्यौहारों में नागरिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। सभी पर्व-त्यौहार खुशनुमा माहौल में मनाएं। पर्व-त्यौहारों में दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति रहेगी।

उपायुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना को जिला प्रशासन के साथ साझा करें। किसी घटना को बड़ा ना होने दें। समय पर सूचना मिलने से प्रशासन तत्काल कार्रवाई करेगी। सभी धर्म, समुदाय हैं। आपस में सभी का सम्मान करें।

उपायुक्त ने कहा कि अगर चापाकल या जलमीनार खराब हैं तो जल्द ही सभी की मरम्मती करायी जाएगी। जिला प्रशासन लोगों की समस्याओं को लेकर बेहद संवेदनशील है।

उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद को शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई, कार्यपालक अभियंता को पेयजल की समस्याओं को ठीक करने और कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमण्डल को जर्जर व झूलते हुए बिजली के तारों की उंचाई ठीक करने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उराँव, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, नगर परिषद उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर अली, जिला परिषद संदीप कुमार समेत विभिन्न प्रखण्डों से आए शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने विचार रखे।

सोशल मीडिया पर रहेगी नजर, अफवाह से बचें: सादिक अनवर रिजवी

पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि किसी भी सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए सोशल मीडिया आज एक सशक्त माध्यम है लेकिन इसके दुरूपयोग की भी संभावनाएं बहुत अधिक हैं। किसी भी तरह के अफवाह को प्रसारित करने से बचें। जिला प्रशासन की टीम की नजर सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर है। अपने-अपने क्षेत्र में सभी अंचल अधिकारी व थाना प्रभारी आपस में समन्वय के साथ कार्य करें। गाईडलाइन के अनुसार फ्लैग मार्च भी करें। संवदेनशील रूट का संयुक्त निरीक्षण भी कर लें।

चाकुलिया नगर परिषद की नई अध्यक्ष ने ली शपथ

जमशेदपुर: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल सभागार में बुधवार को आयोजित एक गरिमामय समारोह में चाकुलिया नगर परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सोमवारी सरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। यह शपथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने दिलाई। समारोह के दौरान उपायुक्त ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे नगर क्षेत्र के विकास, जनहित और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगी। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए निष्पक्ष और जनोन्मुखी कार्यशैली अपनाना आवश्यक है।

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटनाक्रम के अनुसार, जज प्रशांत कुमार बीती 16 मार्च 2026 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 1720 से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उन्हें भोजन परोसा गया, तो वह सड़ा हुआ था। जज का कहना है कि इस प्रकार का असुरक्षित भोजन यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। जब उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति से की, तो उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयरलाइन के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफ्यिान ने भी जज के साथ बदसलूकी की और उन्हें साक्ष्य के तौर पर फंगस लगा हुआ खाना फ्लाइट से बाहर ले जाने से जबरन रोक दिया। एनसीआर में जज ने मांग की है कि यात्रियों को दूषित भोजन परोसना और शिकायत करने पर उनके अधिकारों का हनन करना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में एफ्आईआर दर्ज कर गहन जांच करने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे विमान सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान की गुणवत्ता पर एक बार फ़िर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत का बड़ा दांव : रुस से तेल लेकर चीन जा रहा टैंकर... अचानक से भारत की ओर चल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में बीच छिड़े युद्ध के बाद तेल की संकट ने पूरी दुनिया को अपने गिरफ्त में ले लिया है। इस संकट के बीच भारत का दम दुनिया भर में दिख रहा है। बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से भारत के दो जहाज सही सलामत गैस लेकर गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचे थे। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। दरअसल दक्षिण चीन सागर में एक रूसी तेल से लदा टैंकर अचानक मुड़ गया। यह मूल रूप से चीन के रिजाओ बंदरगाह की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अब तेजी से भारत की ओर आ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने मौजूदा स्थिति में रूस से तेल आयात बढ़ाने का फैसला किया है। यह बदलाव ईरान में चल रही जंग के कारण मध्य पूर्व से तेल सप्लाई रुकने के बाद भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से जनवरी के अंत में उराल्स क्रूड ऑयल लोड करके निकला था। शुरू में इसका डेस्टिनेशन चीन का रिजाओ पोर्ट था। लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई पानी में पहुंचते ही टैंकर ने यू-टर्न ले लिया। अब यह 21 मार्च को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचने वाला है। डेटा के मुताबिक, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से बढ़ाने की छूट दी, ठीक उसी के कुछ दिन बाद यह बदलाव हुआ। इससे पहले भारत ने रूसी तेल कम खरीदना शुरू कर दिया था, जिससे कई कार्गो चीन की ओर चले गए थे। अब स्थिति बदल गई है।

गाजियाबाद मेयर का विवादित बयान...घरों में अधिक कार होने से बढ़ा रहा सड़कों पर ट्रैफिक

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले में ट्रैफिक जाम को लेकर मेयर सुनीता दयाल का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या का मुख्य कारण लोगों के बढ़ते जीवन स्तर और घरों में अधिक कारें होना है। मेयर ने बताया कि पहले एक घर में एक ही गाड़ी होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, इसकारण सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण केवल उपलब्ध जगह के अनुसार ही संभव है और लोगों के मकान तोड़कर सड़क बढ़ाना असंभव है। हालांकि, स्थानीय लोग तर्क से असहमत होकर कहते हैं कि शहर की कई मुख्य सड़कें अतिक्रमण की वजह से संकरी हो गई हैं। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अवैध कब्जे ट्रैफिक को और बाधित करते हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन, नगर निगम और विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। केवल लोगों के बढ़ते वाहन को दोष देना समस्या के वास्तविक कारणों से ध्यान हटाने जैसा है। शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा में काम करने वाले लोग नेशनल हाईवे-9 पर जाम का सामना करते हैं, जबकि मोहननगर मार्ग से दिल्ली जाने वाले लोग जीटी रोड पर लंबी कतारों में फंसते हैं। कार्यक्रम में हाउस टैक्स पर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू नहीं किया जाएगा और नगर निगम अधिकारियों को बढ़ी हुई दर पर बिल जारी करने से रोका गया है। बावजूद इसके, कई जगहों पर पहले ही बढ़ी हुई दर के बिल जारी किए जा चुके हैं। इस बयान ने गाजियाबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण पर बहस को और तेज कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, एक ग्रामीण की मौत, कई पुलिस वाले घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के असिया गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना तब हुई जब पुलिस पॉक्सो एक्ट के आरोपी भिखारी राय और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपी पक्ष ने शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव किया गया और कथित रूप से फायरिंग भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर गायघाट थानाध्यक्ष राजा सिंह ने आत्मरक्षा में गोली चलाने की बात कही है। इस घटना में ग्रामीण जगतवीर राय की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मृतक के परिजनों ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है कि जगतवीर राय को नजदीक से गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल भी रहा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सांसद टी राजा सिंह को फिर मिली जान से मरने की धमकी

हैदराबाद (एजेंसी)। गोशामहल विधानसभा के सांसद टी राजा सिंह को बुधवार को उनके आवास पर एक अज्ञात प्रेषक से जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि राजा सिंह, 27 मार्च को आपकी आखिरी रामनवमी होगी। तेलंगाना पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जनवरी में भी बीजेपी सांसद सिंह को इसी तरह का एक पत्र मिला था, जो कथित तौर पर अब्दुल हाफिज नाम के एक व्यक्ति ने भेजा था। पत्र में अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। बीजेपी नेता सिंह ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, आयुक्त और मुख्यमंत्री से बार-बार मिल रही धमकियों के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की अपील की है। सांसद सिंह ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार को पत्र लिखकर आगामी राम नवमी जुलूस के लिए पुलिस सुरक्षा देने से इंकार कर दिया। उन्होंने सुरक्षा से इंकार करने के कारणों के रूप में बार-बार उत्पीड़न, लाठीचार्ज और पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान टास्क फोर्स कर्मियों द्वारा बल प्रयोग का हवाला दिया। सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, सुरक्षा के बहाने तैनात पुलिसकर्मियों ने जुलूस को बाधित किया और कई बार श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज भी किया। उन्होंने अनीता टावर्स, पुराना पुल, बेगम बाजार छतरी और सिद्दीअंबर बाजार मस्जिद के पास हुई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे श्रद्धालुओं में भय और तनाव का माहौल बना।

क्या गंगा नदी में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते... अखिलेश ने उठाए सवाल

-5-स्टार जहाज को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। काशी में गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार करने वाले मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी पर सियासत शुरू हो चुकी है। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पूछा है कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते? डीएम, एसपी और एसओ को इफ्तारी देनी चाहिए थी। हथेली गरम....तब पुलिस नरम। उन लोगों ने हथेली गरम नहीं की होगी, इसकारण उन पर कार्रवाई हुई। इस दौरान अखिलेश का इशारा रिश्वत की तरफ था।

वहीं कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। उन्होंने लिखा कि पुलिस मुसलमानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए उतावली दिख रही है। युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया। नरेन्द्र मोदी जी क्या यही है सबका साथ, सबका विकास का नारा। जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि गंगा की पवित्रता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दरअसल, बनारस में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी हुई थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। लखनऊ में इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश ने कहा कि ये सब हमारे-आपके बीच में दूरियां पैदा करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी कार्रवाई कर यूपी सरकार को खुश करने के लिए कर रहा। एक 5-स्टार जहाज चला था। उसमें महंगी-महंगी शराब थी। उसके टॉयलेट का वेस्ट गंगा में जा रहा था। उस जहाज के मालिक पर क्या कार्रवाई हुई? उस समय जो गड्ढे खोदकर छोड़ गए थे, उसकी गंदगी गंगा में पहुंची। उस पर क्या एक्शन हुआ?

उत्तराखंड में धामी सरकार 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना में

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में धामी सरकार राज्यभर में 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। करीब 160.75 किलोमीटर लंबे इस मास्टरप्लान के तहत पहाड़ों के कई धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोपवे से जोड़ने की तैयारी है। इन 51 में से 2 रोपवे प्रोजेक्ट्स पर फिलहाल काम तेजी से काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब सहित 4 मेगा रोपवे प्रोजेक्ट्स पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इसके अलावा कई अन्य रोपवे प्रोजेक्ट्स फिलहाल डीपीआर और प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के चरण में हैं, जिन पर उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड (यूआरडीएल) के जरिए आगे की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित नेटवर्क में सबसे ज्यादा रोपवे पौड़ी जिले में बनने का प्लान है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक दीपक खंडूरी के मुताबिक रोपवे उन स्थानों तक पहुंच का बेहतर विकल्प हैं जहां सड़क बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से तीर्थ यात्रियों की यात्रा आसान होगी और लोकल स्तर पर पर्यटन व रोजगार के नए अवसर भी बढ़ने है। उन्होंने बताया कि देहरादून के पुरकुल से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनने वाला यह रोपवे राज्य के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में शामिल है। करीब 285 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें 10 यात्रियों की क्षमता वाले 71 केबिन लगाए जाएंगे और देहरादून से मसूरी तक का सफर करीब 20 मिनट में पूरा होगा। इस साल के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं चंपावत जिले में पूर्णागिरी मंदिर तक पहुंच आसान बनाने के लिए यह रोपवे बनाया जा रहा है। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना का निर्माण कार्य जारी है। इस 30 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक खंडूरी ने इन परियोजनाओं के दूरगामी फायदों पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार रोपवे के माध्यम से उन दुर्गम पहाड़ियों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जहां सड़क मार्ग बनाना भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से कठिन है। केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे कठिन ट्रेक वाले स्थानों पर बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर मिलेगा। पहाड़ों पर वाहनों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

त्यागी के इस्तीफे पर राजद सांसद का दावा...देखते जाइए जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक ओर राज्यसभा जा रहे हैं। दूसरी ओर उनके पुराने साथ रहे केसी त्यागी ने भी जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। 22 मार्च को वे बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करने वाले है। इस बीच आरजेडी के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। बीते दिनों सांसद यादव जहानाबाद में विधायक राहुल कुमार की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कहा कि त्यागी उम्र और रिश्ते में बड़े हैं, इसलिए उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली है। आरजेडी सांसद ने दावा कर कहा कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए, जेडीयू में भगदड़ मचेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तब मैं खुद सांसद पद से इस्तीफा देकर राजनीति भी छोड़ दूंगा। सांसद यादव ने कहा कि एनडीए के 25 साल के शासन के बावजूद बिहार में आज भी असली जंगलराज बरकरार है। यह डर पैदा करने वालों का राज है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जंगलराज के नाम पर ही चुनाव जीतने की रणनीति बना चुके हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं। आरजेडी सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में 11 साल से सरकार होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक प्रेसवार्ता क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनता के बीच आकर सीधे सवालों का जवाब देना चाहिए।

कांशीराम को भारत रत्न की मांग पर गरमाई यूपी की सियासत, मायावती ने कांग्रेस-सपा को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच दलित मतों को साधने की होड़ में विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में 15 मार्च को कांशीराम की 93वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की, जिसने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दलितों के उत्थान में कांशीराम के योगदान को रेखांकित किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस की इस पहल पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। मायावती ने राहुल गांधी की मांग को बेतुका करार देते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने कांशीराम को सम्मानित क्यों नहीं

किया? उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को दलित विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल चुनावों के वक्त बहुजन नायकों को याद करते हैं।

मायावती ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस के पास अब अपने कोई महान नेता नहीं बचे हैं, इसलिए वे बसपा के महापुरुषों के नाम पर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब कांशीराम जीवित थे, तब इन्हीं पार्टियों ने उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि अखिलेश यादव द्वारा हर जिले में कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना महज एक अवसरवादी कदम है। मायावती के अनुसार, बसपा शासनकाल में कांशीराम के सम्मान में किए गए कार्यों को सपा सरकार ने ही पलटने का काम किया था। सत्ता पक्ष की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को कांशीराम की याद क्यों नहीं आई? दूसरी ओर, मायावती ने अपने समर्थकों को आगाह करते हुए कहा कि ये पार्टियां बसपा को खत्म करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने चमचा युग पुस्तक का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों के साथ जुड़े दलित नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उत्तर प्रदेश में एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांशीराम के सम्मान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने के आसार हैं।

रिटायर्ड अफसर को दस दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.05 करोड़ रुपए भी ठगे

खुद को सीबीआई अधिकारी बता मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने और गिरफ्तार करने की दी धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। देश में साइबर क्राइम दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं और लोगों की महनत की कमाई ठग बड़ी चालाकी से अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई के दादर इलाके से सामने आया यहां एक बुजुर्ग नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके उससे 1.05 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त अधिकारी श्रेयष परलकर (71) से ठगों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर मानसिक दबाव और डर दिखाकर ठगी को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित के मुताबिक 4 मार्च को उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई के दिल्ली मुख्यालय का अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिसका इस्तेमाल अवैध मैसेज और उत्पीड़न के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को फर्जी सीबीआई अधिकारियों के पास ट्रांसफर किया। अलग-अलग लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने और गिरफ्तार करने की धमकी दी। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी कोर्ट ऑर्डर, अरेस्ट वारंट और सरकारी लेटरहेड तक व्हाट्सऐप पर भेजे। रिपोर्ट के मुताबिक ठगों ने पीड़ित को यह कहकर डिजिटल अरेस्ट किया कि वह जांच के दायरे में हैं और कहीं बाहर संपर्क नहीं कर सकते। उन्हें एक मैसेजिंग ऐप डाउनलोड कराकर हर दो घंटे में मैं सुरक्षित हूं जैसी रिपोर्ट भेजने को कहा। इस दौरान उन्हें बार-बार डराया गया और सहयोग न करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई। ठगों ने पीड़ित से उनकी बैंक डिटेल, निवेश और बचत की पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 6 मार्च से 12 मार्च के बीच पीड़ित ने चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.05 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 15 मार्च को पीड़ित के बेटे ने उनका मोबाइल चेक किया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों और संबंधित बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है।

यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन बिंदुओं में से एक बना हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चिंता का विषय बन जाती है।

बात दें कि नौसेना 2019 से समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के हिस्से के रूप में, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी सहित आस-पास के जलक्षेत्रों में अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है। यह नवीनतम तैनाती उन प्रयासों को आगे बढ़ाती है, और बढ़ते तनाव के बीच

नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करती है।

उपायुक्त ने जिला स्वास्थ्य समिति व जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक, दिये निर्देश

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सभी पदाधिकारियों व कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी : उपायुक्त हेमंत सती

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना, मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुरक्षण

योजना, आयुष्मान भारत योजना, 15 वां वित्त आयोग, पीएम- एबीएचआईएम तथा बीपीएचयू से संबंधित बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। साथ ही उपायुक्त ने सभी योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। वही बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान सहित जिले के सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

नकली कीटनाशक दवा बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश, छापेमारी में लाखों रुपये का मैटेरियल बरामद

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । मिजाचौकी थाना क्षेत्र के महादेवरण गांव में बुधवार को सदर एसडीओ अमर जान आइंद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, सदर सीओ बासकी नाथ टुडू व मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव ने संयुक्त रुप से कारवाई करते हुए भारी मात्रा में इंडोफिल कंपनी का इलेक्टो नामक नकली किटनाशक दवा बनाने के धंधा का भंडाफोड़ किया है। कारवाई में 50 एमएल का 1610 डब्बा बरामद किया है जिसका अनुमानित बाजार मुल्य लगभग 21 लाख बताया जा रहा है।साथ ही चौबीस हजार स्टीकर सहित कुछ अन्य सामग्री बरामद

किया गया है। वहीं मामले की जानकारी देते हुए प्रमुख जांच करता रंजित कुमार सिंह ने बताया कि इंडोफिल कंपनी की ओर से सूचना मिली थी कि मिजाचौकी महादेवरण गांव में खेती में प्रयोग करने वाला नकली कीटनाशक दवा का पैकेजिंग किया जा रहा है किसी के आधार पर टीम गठित करें कार्रवाई करते हुए नकली कीटनाशक बरामद किया गया।

संक्षिप्त खबरें

जिले में अफीम, गांजा की अवैध खेती करने वाले लोगों को अब खैर नहीं, जायेंगे जेलः उपायुक्त

लातेहार(बिभा): उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने वर्तमान में अवैध अफीम की खेती की विनष्टीकरण की जानकारी लेते हुए संबंधित अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मादक पदार्थ की बिक्री, सेवन, तस्करी,व उपयोग पर सजगता के साथ लोगो के ऐसे कार्यों में संलिप्तता पर नजर रखने और जिन क्षेत्र में अफीम की खेती की सूचना मिलती है तो खेती के विनष्टीकरण के साथ-साथ जिनके द्वारा खेती की गई है और जो लोग उसमें संलिप्त हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार, तस्करी एवं इसके दुष्प्रभावों की रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, उन्होंने खुफिया तंत्र को और सुदृढ़ करने एवं नियमित छापेमारी अभियान चलाने पर बल दिया।बैठक में स्कूलों, कॉलेजों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने एवं संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया।बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ बिपिन कुमार दुबे, संबंधित पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ संग की बैठक

लातेहार/मनिका(बिभा) : उप निर्वाचन पदाधिकारी, लातेहार मेरी मड़की के द्वारा मनिका प्रखंड कार्यालय के सभागार में सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को नोशनल हाउस नंबर, एएसडीडी, मैपिंग कार्य के सम्बन्ध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया, एवं बीएलओ तथा बीएलओ पर्यवेक्षक की समस्याओ एवं शंकाओ का समाधान किया गया। इस अवसर पर संदीप कुमार, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी मनिका ,अतहर रजा एवं मनोज कुमार जिला निर्वाचन कार्यालय, लातेहार के साथ मनिका प्रखंड के सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक एवं प्रखंड कार्यालय के कर्मी उपस्थित थें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित

लातेहार(बिभा): उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में पशुओं के प्रति हो रहे क्रूर व्यवहार की रोकथाम, उनके संरक्षण एवं कल्याण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पशु क्रूरता से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा आमजन को इस संबंध में जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए। उन्होंने पशुओं के अवैध परिवहन, वध एवं दुर्व्यवहार के मामलों पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश भी दिया।बैठक में पशुपालन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा जिले में संचालित योजनाओं एवं पशु संरक्षण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही, पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने, गौशालाओं की स्थिति में सुधार तथा आवारा पशुओं के प्रबंधन हेतु आवश्यक कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त ने कहा कि पशुओं के प्रति संवेदनशीलता समाज की जिम्मेदारी है तथा सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि पशु क्रूरता की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुषमा प्रधिया, संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

विधायक ने सदन में उठाया उधवा में डिग्री कॉलेज खोलने व आईटीआई में सत्र प्रारंभ करने की मांग

सुदूरवर्ती इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उधवा में खुले डिग्री कॉलेज : विधायक

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैर सरकारी संकल्प प्रश्न के तहत राजमहल विधानसभा क्षेत्र के उधवा प्रखंड क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खोलने की मांग को प्रमुखता से रखे हैं। साथ ही उन्होंने सदन के माध्यम से विभाग को अवगत कराते हुए कहे कि 26 पंचायत का उधवा प्रखंड जहां सुदूरवर्ती इलाकों में दियारा क्षेत्र भी है। साथ ही सीमावर्ती प्रखंड बरहरवा व पतना का कई पंचायत भी डिग्री कॉलेज से लाभान्वित होंगे. उन्होंने कहा कि क्षेत्र की लड़के लड़कियां हैं संस्थान नहीं होने के कारण अधिकांश बच्चे

इंटरमीडिएट के बाद अपना पढ़ाई समाप्त कर देते हैं। अगर सरकार डिग्री कॉलेज खोलने की दिशा में पहल करती है तो उच्च स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से क्षेत्र के बच्चे लाभान्वित होंगो। उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मामले पर सदन के माध्यम से उत्तर देते हुए कहे की सरकार इस दिशा में अपनी सकारात्मक विचार रखती है और उधवा प्रखंड क्षेत्र में विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द ही डिग्री कॉलेज खोलने की दिशा में पहल होगी. इधर डिग्री कॉलेज खोले जाने की मांग और सरकार के माध्यम से प्राप्त सकारात्मक आश्वासन के उपरांत पार्टी कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के आमजन एवं अभिभावक सहित छात्र-छात्राओं ने विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आईटीआई कॉलेज में संचालित एसएफसीआई गोदाम खाली कराकर सत्र प्रारंभ करने की मांग

राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने राजमहल विधानसभा क्षेत्र के उधवा प्रखंड स्थित आईटीआई कॉलेज में संचालित एसएफसीआई गोदाम को खाली कराकर छात्र-छात्राओं के हित में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सत्र का प्रारंभ कराया जाए। सत्र का संचालन नहीं होने के कारण बच्चों का पठन-पाठन बाधित है. छात्र हित में विभाग इस पर त्वरित पहल करें। विभाग ने इस पर सकारात्मक आश्वासन दिया है।

किसी भी हाल में नहीं हो बाधित एमडीएम : सीओ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । तालझारी प्रखंड स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक प्रखंड कार्यालय स्थित सीओ कार्यालय प्रकोष्ठ में बुधवार को किया गया। वहीं बैठक की अध्यक्षता सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने किया। वहीं बैठक में प्रखंड अंतर्गत विद्यालय में पीएम पोषण अंतर्गत मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालय के प्रभारी को विद्यालय में एमडीएम संचालित मीनू के अनुसार करें। वहीं बीडीओ ने कहा कि किसी भी हाल में एमडीएम बाधित नहीं हो। जिसमें विद्यालय में चावल कम है उसे चावल उपलब्ध करायें। विद्यालय परिसर में साफ सफाई, शत-प्रतिशत एसएमएस, बच्चों का स्वास्थ्य जांच, बच्चों की उपस्थिति सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गयी। वही दो सहायक अध्यापक संजीव कुमार जयसवाल एवं संजीव झा के आकलन से संबंधित मानदेय से संबंधित चर्चा किया गया। मौके पर बीईईओ रॉबिन कुमार मंडल, बीपीओ दीपक मंडल, बीआरपी राजेंद्र मंडल सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

पीडीएस डीलरों के साथ डीएसओ ने की बैठक कहा राशन वितरण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल प्रखंड सभागार में बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता कर रहे जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु मिश्रा ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के डीलरों के साथ बैठक कर अनाज वितरण की समीक्षा की। वही बैठक में डीएसओ ने सभी डीलरों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लाभुकों के बीच शत- प्रतिशत राशन का वितरण समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राशन कार्डधारियों के साथ किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त

नहीं किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने निर्धारित मात्रा में ही राशन वितरित करने और नियमों का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया।वही डीएसओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की शिकायत मिलती है, तो संबंधित डीलर के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर सीओ मो. यूसुफ, एमओ विवेक कुमार, अर्जुन प्रमाणिक, किशोर जैन, जाकिर शेख, अनुज चौधरी सहित बड़ी संख्या में जन वितरण प्रणाली के दुकानदार उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत जागरूकता जल रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय परिसर में बुधवार को उपायुक्त हेमंत सती के हाथों जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता अभियान के तहत जल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वहीं उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके प्रति आमजन को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह जल रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों का भ्रमण करेगा तथा लोगों को शुद्ध पेयजल, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल

की बबार्दी रोकने के प्रति जागरूक करेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि जल रथ के माध्यम से जन-जन तक जल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाए जाएंगे तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे जल के सतत उपयोग को सुनिश्चित किया जा सके। वहीं कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित रहे।

पदभार संभालते ही एक्शन मोड में दिखे वार्ड पार्षद इंद्रदेव उरांव, ग्रामीणों के साथ बैठक कर सुनी समस्याएं

लातेहार(बिभा)। लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के चंदनडीह वार्ड नंबर 14 के नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद इंद्रदेव उरांव पदभार ग्रहण करने के साथ ही एक्शन मोड में नजर आए। मंगलवार को उन्होंने वार्ड के ग्रामीणों के साथ बैठक कर क्षेत्र में रुके हुए विकास कार्यों की समीक्षा की और लोगों की समस्याओं को बारीकी से सुना।बैठक के दौरान वार्ड के कई ग्रामीणों और महिलाओं ने अपनी-अपनी समस्याएं वार्ड पार्षद के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड में कई जरूरी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ अब तक लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाया है। इस दौरान विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, राशन कार्ड, मैया सम्मान योजना, सड़क निर्माण, जलमीनार,नाली की सफाई और निर्माण, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था तथा बिजली के खंभे लगाने जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर लोगों ने अपनी परेशानी साझा की।वार्ड पार्षद इंद्रदेव उरांव ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मुद्दों को नोट करते हुए जल्द समाधान कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास और लोगों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही जो भी कार्य लंबे समय से लंबित हैं, उन्हें शीघ्र पूरा कराने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर पहल की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वार्ड के हर नागरिक की समस्या उनकी अपनी समस्या है और जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्ड के विकास को लेकर नियमित रूप से बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की जाएगी ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके।मौके पर जय रामजी, डीगू उरांव, संतोष गोस्वामी, राहुल कुमार, कन्हाई राम, दीपक कुमार, छोटन सिंह, नंदलाल सिंह, सनातन महतो सहित कई ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। बैठक में लोगों ने वार्ड पार्षद से विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की।

उपायुक्त ने क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाड़ियों के बीच खेल किट वितरण कर बढ़ाया उत्साह

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार, रांची एवं जिला प्रशासन साहेबगंज के संयुक्त तत्वावधान में जिले में संचालित विभिन्न क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध कराए गए खेल किट का वितरण समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त हेमंत सती के हाथों किया गया। वहीं उपायुक्त ने जिले के सिद्धों कान्हु स्टेडियम साहेबगंज में संचालित बालक आवासीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र (25), डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र (25) तथा प्लस 2 बी.डी. उच्च विद्यालय, सकरीगली में संचालित डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र (25) के कुल 75 प्रशिक्षुओं के बीच खेल किट जूता, मोजा, टोपी, एथलेटिक्स किट, टी-शर्ट, ट्रैक सूट एवं बैग का वितरण किया।

वहीं उपायुक्त ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का भी विकास करता है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करते हुए जिले, राज्य एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, जिला खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज के प्रशिक्षक योगेश यादव एवं डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, सकरीगली के प्रशिक्षक अशोक साहनी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी व प्रशिक्षु उपस्थित थे।

पीएमएवाई-जी कर्मी अपनी मांगों को लेकर दूसरे दिन भी धरने पर डटे

मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 7 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल की दी चेतावनी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई - जी) व आबुवा आवास योजना के कर्मी अपने विभिन्न मांगों को लेकर दुसरे दिन भी बुधवार को विकास भवन के समीप धरना प्रदर्शन किया। बता दे कि अपनी लंबित मांगों को लेकर राज्य आवास कर्मी संघ के आह्वान पर चार दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर चले गए। जिसका नेतृत्व संघ के अध्यक्ष सुमित चौबे ने किया।उन्होंने कहा कि कार्यरत कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर ग्रामीण राज्य आवास कर्मी संघ, झारखंड ने सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो राज्यभर में चरणबद्ध

आंदोलन किया जाएगा। साथ ही कहा कि वर्ष 2015-16 से अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मी ग्रामीण आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद लंबे समय से उनकी समस्याओं और मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कहा कई बार विभागीय स्तर पर ज्ञापन सौंपने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। संघ का कहना है कि वर्तमान महंगाई और बढ़ते कार्यभार को देखते हुए कर्मियों का मानदेय बेहद कम है, जिससे उन्हें आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने सरकार से मानदेय में वृद्धि, ग्रेड-पे निर्धारण, क्षेत्र भ्रमण भत्ता, अपील समिति के गठन और कार्यकाल को 60 वर्ष तक बढ़ाने की मांग की है। कहा कि इसी मांग को लेकर हम सभी 17 से 20 मार्च तक राज्यव्यापी सांकेतिक हड़ताल में है। कहा संघ ने घोषणा की है कि मांगों पर समाधान नहीं हुआ तो 7 अप्रैल 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। मौके पर अध्यक्ष सुमित चौबे, कोषाध्यक्ष मनीष रंजन, सचिव मार्शल किस्कू, प्रारूण रश्मि राय, मृणाल कुमार, रविकांत रवि, मुंशी सोरेन, संदीप कुमार, वंदना कुमारी, ओमकुमार ठाकुर, लखन मुर्मू, मुंशी मुर्मू, आदि मौजूद थे।

झामुमो का नगर निकाय चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

लातेहार: जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ साहदेव के अध्यक्षता में लातेहार नगर निकाय चुनाव की समीक्षा बैठक की गई। जहां पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम जी की गरिमामई उपस्थिति में हुई। लाल मोती नाथ साहदेव के समक्ष सभी कार्यकर्ता अपने अपने चुनावी विचारों को रखा उसके पाश्चात्य जिला अध्यक्ष ने सभी के विचारों को सुनते हुए। आगे की समन्वय बनाकर एक साथ आगे बढ़ते हुए चलने की सलाह दिए। जहां उपस्थित जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव, झामुमो कोषाध्यक्ष मनोज यादव, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे जिला उपाध्यक्ष शमशुल होदा, जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, शमशेर आलम, बीस सूत्री सदस्य विलासी टोपनो,टीकेंद्रीय सदस्य,जीरा देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग: अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम, बुमराह की टॉप-5 में एंट्री

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह रही कि अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर बने हुए हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह बिना मैच खेले ही गेंदबाजों की टॉप-5 में पहुंच गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी जबरदस्त फायदा हुआ है।

बिना खेले टॉप-5 में पहुंचे बुमराह

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद इस फॉर्मेट में कोई मैच नहीं खेला है। इसके बावजूद जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर 702 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के अंक घटने से बुमराह को सीधा फायदा मिला। यह दर्शाता है कि रैंकिंग अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन से भी प्रभावित होती है।

अभिषेक शर्मा का दबदबा बरकरार

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम हैं। उनकी लगातार आक्रामक और प्रभावी बल्लेबाजी उन्हें इस पोजीशन पर बनाए हुए है। यह भारतीय टीम के लिए बड़ी सकारात्मक खबर है। उनका प्रदर्शन भविष्य के टूर्नामेंट्स में भी अहम रहने वाला है।

मेहदी हसन मिराज का शानदार उछाल

बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। 3 मैचों में 5 विकेट लेकर उन्होंने टीम को 2-1 से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के दम पर वह वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गए। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों को मिला फायदा

तंजीद हसन ने 31 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है। इसके अलावा लिटन दास, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। यह बांग्लादेश टीम के शानदार सामूहिक प्रदर्शन का नतीजा है। लगातार अच्छे खेल का असर खिलाड़ियों की रैंकिंग पर साफ दिखा है।

सलमान अली आगा और शाहीन अफरीदी को फायदा

पाकिस्तान के सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑलराउंडर रैंकिंग में भी वह 10वें नंबर पर काबिज हैं। कप्तान शाहीन अफरीदी भी ऑलराउंडर सूची में 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हालिया सीरीज में प्रदर्शन का उन्हें सीधा फायदा मिला है।

मिचेल सैंटनर का शानदार प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टी20 सीरीज में बेहतरीन खेल दिखाया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके प्रदर्शन से उन्हें 11 स्थान का फायदा मिला। अब वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी 7वें स्थान पर काबिज हैं।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला फायदा

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और डेवोन कॉनवे की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे और ओटनील बार्टमैन को भी बड़ा फायदा मिला है। इन खिलाड़ियों ने हालिया मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसका सीधा असर उनकी रैंकिंग पर देखने को मिला है।

आईपीएल के दौरान तनाव कम करने हुक्का पीते हैं धोनी : बिलिंग्स

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते रहे हैं। मैदान पर अपनी शांत कप्तानी के लिए ÷कैप्टन कूल÷ के नाम से लोकप्रिय रहे धोनी निजी जिंदगी में काफी रिजर्व स्वभाव के माने जाते हैं। इसलिए उनके बारे में प्रशंसकों को ज्यादा कुछ नहीं पता चलता है पर अब आईपीएल में सीएसके की ओर से खेले इंग्लैंड के क्रिकेटर सैम बिलिंग्स ने कहा है कि धोनी हुक्का पीने के शौकीन हैं। बिलिंग्स के अनुसार आईपीएल टूर्नामेंट में धोनी होटल के कमरे में हुक्का पीते हैं और टीम के एक खिलाड़ी उनके लिए हुक्का तैयार करता है।

बिलिंग्स के अनुसार ये हुक्का उनक लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद तैयार करते हैं।

उनके अनुसार, आईपीएल के दौरान टीम के अधिकतर खिलाड़ी मैच के बाद होटल के बार में जाकर समय बिताते थे। जिससे की मैच के तानव से उबर सकें। इस दौरान खिलाड़ियों को गपशप का भी अवसर मिल जाता था पर धोनी इससे अलग रहते हुए एकांत में हुक्का पीते थे। वह कभी भी बार में जाते नहीं दिखे।

धोनी के लिए हुक्का सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि टीम को एक-साथ जोड़े रखने का भी तरीका रहा है। बिलिंग्स और कोच माइकल हसी ने कहा कि धोनी का होटल रूम टीम के लिए पूरे समय किसी लाउंज जैसा रहता है, क्योंकि धोनी प्रशंसकों की भीड़ के कारण होटल बार या किसी कैफे में नहीं जा सकते, इसलिए वो अपने रूम को ही अपनी अलग जगह बना लेते थे। बिलिंग्स के अनुसार धोनी को हुक्का पसंद था और वे इसका आनंद अपने कमरे में ही उठाते रहते थे। उनके पास इसके लिए एक अलग स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहता था, जो हुक्के से जुड़ी सभी तैयारियों का ध्यान रखता था। इस हुक्का डिप्लोमेसी के कारण सीएसके आपस में जुड़ी रिती थी।

विराट आईपीएल के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल के 19 सत्र में शामिल होने के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ गये हैं। विराट के यहां पहुंचने के साथ ही आरसीबी के खेमे में उत्साह की लहर फैल गयी। विराट का प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को भी इंतजार था। , बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली इंग्लैंड में थे पर वहां भी वह तैयारी जारी रखे थे। उन्होंने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी की थी जिसे आरसीबी ने भी साझा किया है। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में तेजी आने की उम्मीद है।

आरसीबी को इस सत्र में अपना पहला मैच 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इससे वह खिताब बराकरार रखने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में उसने रजत पाटीदार की कप्तानी में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट की अहम भूमिका रही है। विराट ने पिछले सत्र में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 8 अर्धशतक लगाये थे।

ऐसे में टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह इस बार भी अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलायें।

विराट शुरुआती सत्र से ही आरसीबी से जुड़े हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाते आये हैं। कोहली आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सबसे अधिक रन और शतक हैं। कोहली ने साल 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। वह साल 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं।

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुम्बई : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना

चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी।

जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआत में रखा जाएगा। दोनों को एक साथ उतारना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास रोहित शर्मा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं।

डी विलियर्स ने बुमराह को बताया टी20 का महान खिलाड़ी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर रहे एबी डी डीविलियर्स ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टी20 का सबसे महान खिलाड़ी बताया है। डीविलियर्स के अनुसार क्रिस गेल, विराट कोहली और राशिद भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं पर बुमराह की बात ही कुछ और है। डीविलियर्स के अनुसार बुमराह को सबसे आगे बताने का कारण ये है कि हालात कैसे भी हों वह टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं ।डीविलियर्स के अनुसार बुमराह में कई प्रकार की खूबियां हैं । वह नई और पुरानी गेंद, दोनों से प्रभावी गेंदबाजी करते हैं । इसके अलावा दबाव में विकेट लेने की क्षमता, डेथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन, सुपर ओवर जैसे कठिन अवसरों पर मैच जिताने की क्षमता उनमें है। कुल मिलाकर देखो जाये तो आप किसी भी समय गेंद बुमराह को दे सकते हैं, और वह मैच जिता सकते हैं । डीविलियर्स ने अपनी करियर के दौरान आइपीएल सहित दुनिया की कई टी20 लीग खेली हैं । आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने गेल और विराट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया हैं । ऐसे मे उनका बुमराह को सबसे बेहतर बताना काफी महत्व रखना है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकीब जावेद ने भी बुमराह की जमकर प्रशंसा की थी । उन्होंने कहा कि बुमराह का अनोखा एक्शन बल्लेबाजों को लय में नहीं आने देता । इसी दौरान उन्होंने बुमराह की तुलना पाक के युवा स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी । जिसके बाद प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल करते हुए कहा कि बुमराह के सामन तारिक कहीं नहीं हैं । ऐसे में तुलना नहीं हो सकती । आकिब की तुलना को लेकर सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी भी जतायी । उनका कहना था कि इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिये । कई लोगों ने इसे गलत तुलना बताया, कुछ ने बुमराह की क्लास को अलग स्तर का बताया । आम तौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों को ही महान माना जाता है पर जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने बुमराह को महान बताया है, उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी कितनी प्रभावशाली है ।

मियामी ओपन में केटी बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

फ्लोरिडा (अमेरिका) । ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की । बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए ।

बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, 'मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी । यह मुश्किल था । मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक' विनर 'शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी ।' बोल्टर गुरुवार को दूसरे राउंड में डेनमार्क की दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी क्लारा टौसन से भिड़ेंगी ।

सीएसके ने फोस्टर को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फोस्टर को टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। फोस्टर टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके जिम्मेदारी टीम के खिलाड़ियों के क्षेत्ररक्षण कौशल को निखारना रहेगा। पिछले सत्र में टीम इस क्षेत्र में कमजोर साबित हुई थी । फोस्टर को कोच के तौर पर लंबा अनुभव है और इसी को देखते हुए सीएसके ने उन्हें जोड़ा है । सीएसके के पास पहले ही कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और एरिक सिमंस जैसे दिग्गज हैं, इसके बाद भी फोस्टर को शामिल करने से साफ है कि टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है।

फोस्टर ने साल 2001 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 23 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। साल 2018 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में काफी अनुभव वह सफलता हासिल की है। हाल ही में उनके मार्गदर्शन में जनवरी 2026 में डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 खिताब जीता था । इसके अलावा वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच भी रहे हैं । फोस्टर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के भी कोच रहे हैं । वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ क्षेत्ररक्षण के सहायक कोच रहे हैं । ऋतुराज की कप्तानी में सीएसके अपने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच खेलेगी। शुरुआती मुकाबलों में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उसे खेलना है। पीछले सत्र में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे वहीं इस बार टीम ने कई नये खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलावा किया है जिससे उसे जीत की उम्मीद रहेगी।

भारत थॉमस और उबेर कप में गत चैंपियन चीन के ग्रुप में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला टीम को क्रमशः थॉमस और उबेर कप के लिए मुश्किल ड्रॉ मिले हैं क्योंकि उन्हें 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए बुधवार को मौजूदा चैंपियन चीन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों भारतीय टीम को उनके खिलाड़ियों की व्यक्तिगत विश्व रैंकिंग के आधार पर आठवीं वरीयता दी गई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) ने बुधवार को ड्रॉ की घोषणा की। थॉमस कप 2022 चैंपियन भारत ग्रुप 'ए' से क्वार्टर फाइनल के दो स्थान में से एक अपने नाम करने का प्रबल दावेदार है।

इस ग्रुप में पैन अमेरिका चैंपियन कनाडा और ओसियाना चैंपियन ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। हालांकि भारतीय महिला टीम के लिए नॉकआउट चरण तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है क्योंकि उसे 16 बार की चैंपियन चीन के अलावा, यूरोपीय टीम चैंपियनशिप के उपविजेता डेनमार्क और कांस्य पदक विजेता यूक्रेन के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने ड्रॉ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें ठीक-ठाक ड्रॉ मिला है और थॉमस कप तथा उबेर कप दोनों ही प्रतियोगिताओं में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने का मौका है। हमारी टीम काफी

मजबूत है जिसने यह साबित किया है कि अपने दिन पर वह किसी भी शीर्ष टीम को हरा सकती है और एक बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद कुछ भी संभव है।'

भारतीय पुरुष टीम ने थॉमस कप के 2022 सत्र को जीतकर इतिहास रचा था जबकि महिला टीम ने 2014 और 2016 के सत्र में कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम 2024 में हुए पिछले टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में चीन से हार गई थी जबकि महिला टीम भी जापान से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। चीन के पास मजबूत पुरुष टीम है जिसमें शी युकी (दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी) और ली शी फेंग (दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी) के अलावा वेंग होंग यांग (दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी) और लू गुआंग झू (दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी) शामिल हैं।

हालांकि भारत को लक्ष्य सेन की हालिया फॉर्म से आत्मविश्वास मिलेगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इस खिलाड़ी ने इस महीने की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहने के दौरान फेंग को हराया था। भारत ने 2022 में बैंकॉक में अपना पहला थॉमस कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर ट्रॉफी जीतने वाला भारत केवल छठा देश बना था।

भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ पुरुष टीम रैंकिंग में अपनी स्थिति के आधार पर 2026 थॉमस कप के लिए क्वालीफाई किया। महिला टीम ने भी विश्व रैंकिंग के जरिए उबेर कप में अपनी जगह पक्की की। चार-चार टीम के चार ग्रुप में बांटी कुल 16 टीम राउंड रोबिन लीग खेलेंगी जिसमें हर मुकाबले में पांच मैच (तीन एकल और दो युगल) होंगे। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

थॉमस कप ड्रॉ

ग्रुप ए : चीन, भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, **ग्रुप बी :** जापान, मलेशिया, इंग्लैंड, फिनलैंड , **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, डेनमार्क, कोरिया, स्वीडन **ग्रुप डी:** इंडोनेशिया, फ्रांस, थाईलैंड, अल्जीरिया।

उबेर कप ड्रॉ

ग्रुप ए: चीन, भारत, डेनमार्क, यूक्रेन **ग्रुप बी:** जापान, मलेशिया, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया **ग्रुप डी:** कोरिया, थाईलैंड, बुल्गारिया, स्पेन।

ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वे ग्रेग शिप्पर्ड की जगह लेंगे और जून से अपना कार्यभार संभालेंगे। ग्रेग का कार्यकाल उनके अनुबंध में एक साल शेष रहते हुए ही समाप्त कर दिया गया था। 48 वर्षीय हैडिन नवंबर 2014 में क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। हैडिन अपने साथ कोचिंग का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। हैडिन ने इससे पहले डैरेन लेहमैन और जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सहायक और फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स के सहायक कोच हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के भी सहायक कोच रह चुके हैं। हैडिन ने एक बयान में कहा, ₹एनएसडब्ल्यू क्रिकेट मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है और मुख्य कोच के रूप में इस टीम में फिर से शामिल होना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है।"

पेज एक का शेष

महिला और वंचित युवाओं के लिए ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हम इस पहल को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। युवाओं और महिलाओं को माइक्रो इंटरप्राइज शुरू करने के लिए 5 करोड़ रुपये तक का कैपिटल इसेंटिव देने की योजना पर हम काम कर रहे हैं। राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के द्वारा उत्पादित वस्तुओं की पलाश और आदीवा ब्रांड नाम से बाजार तक पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इन ब्रांड्स को और मजबूत बनाने के लिए हम नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाईन से जोड़ते हुए आगे बढाएंगे। उन्होंने कहा कि हम मदद बांटने वाली सरकार नहीं हैं, बल्कि हम अवसर बनाने वाली सरकार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जा चुके हैं और 100 नए स्कूल खोले जाएंगे। चतरा में डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। इसके अलावा नए डिग्री कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की योजना है। विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने एक कार्यकाल में तीन जेपीएससी परीक्षाएं आयोजित की गई हैं और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है।

उन्होंने कहा कि तकनीक और विकास के क्षेत्र में सीएम डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जिससे योजनाओं की निगरानी होगी। राज्य में आईटी पार्क और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की योजना है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी स्वच्छ ऊर्जा पर काम किया जाएगा।

सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए गुरुजी मेमोरियल बनाया जाएगा और कई ऐतिहासिक स्थलों को विकसित किया जाएगा। प्रवासी मजदूरों और नागरिकों की मदद के लिए अन्य राज्यों और विदेशों में सहायता केंद्र खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर मनरेगा के बकाया फंड और मजदूरी दरों को लेकर सवाल उठाए। साथ ही विपक्ष पर सदन से अनुपस्थित रहने का आरोप लगाया।

विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार यह सत्र 112 प्रतिशत कार्यक्षमता के साथ चला। कुल 66 घंटे के निर्धारित समय के मुकाबले लगभग 74 घंटे काम हुआ। इस दौरान झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 भी पारित किया गया और पहली बार नेवा ई-विधान प्रणाली का उपयोग किया गया। मौके पर मुख्यमंत्री ने स्पीकर सहित विभिन्न विधायकों को विभिन्न त्योहारों की बधाई दी।

पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है : पीवी सिंधू

गुरुग्राम (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है। पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने

लगा था। उन्होंने कहा, 'मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते।'

सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी।' उन्होंने कहा, 'कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं।'

सिंधू ने कहा, 'सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें।' तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही।

सिंधू ने कहा, 'हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, 'चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं।'

उन्होंने 2015 को याद किया जब उनके बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हो गया था जिससे उनका करियर खत्म होने का खतरा पैदा हो गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। इसके चलते 2016 के ओलंपिक से पहले उनके पास तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा था। इसके बावजूद रियो डि जिनेरियो में हुए उन खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मामला गंभीर था। कई हफ्तों तक दर्द के साथ खेलने के बाद मैं ठीक समय पर डॉक्टर के पास पहुंच पाई। मेरे मन में खुद को लेकर शक पैदा हुआ था कि क्या मैं दोबारा खेल पाऊंगी या नहीं।'

भारतीय रेल आम आदमी और मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं की आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सवारी : केंद्रीय रेल मंत्री

बिहान भारत

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे वर्तमान में अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में ?2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से सशक्त बनाया गया है। रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेखांकित किया कि रेलवे में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार रेल बजट का आम बजट में विलय था, जिसके परिणामस्वरूप तीन प्रमुख लाभ हुए हैं। उन्होंने भारतीय रेल के वर्तमान रूपांतरण को 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट ट्रांसफॉर्मेशन' की ओर एक बड़े बदलाव के रूप में वर्णित किया, जो इस राष्ट्रीय परिवहन सेवा के लिए एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

सबसे पहले, इसने बजटीय सहायता में व्यापक वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है, जो पहले के लगभग ?25,000झ30,000 करोड़ से बढ़कर वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग ?2.78 लाख करोड़ हो गई है। दूसरा, इसने वर्ष भर निरंतर निर्णय लेने और आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया है, जिसमें परियोजनाओं की मंजूरी, नई सेवाओं की शुरूआत और आधुनिक तकनीक को अपनाना शामिल है। तीसरा, इससे प्रणाली में बेहतर पारदर्शिता और संस्थागत निगरानी आई है, जहाँ अब परियोजनाओं की समीक्षा वित्त मंत्रालय और नीति आयोग से जुड़ी प्रणालियों के माध्यम से की जा रही है।

प्रमुख विशेषताएं

- सरकार किफायती दरों पर यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाकर गरीब से गरीब व्यक्ति की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध
- भारतीय रेलवे का 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट परिवर्तन' की ओर कदम, एक नए युग का सूत्रपातः केंद्रीय रेल मंत्री
- लगभग 1,37,000 किलोमीटर के रेल मार्ग और 25,500 से अधिक ट्रेनों के विशाल नेटवर्क के साथ, भारतीय रेलवे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक यात्रियों के आवागमन और माल ढुलाई को सुगम बनाकर लोगों को रोजगार से जोड़ने और अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है
- अधिक नॉन-एसी कोच के साथ भारतीय रेलवे आम नागरिकों की जरूरतों को दे रही प्राथमिकताः केंद्रीय रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव
- भारत सरकार देश में भारी सब्सिडी वाली रेल यात्रा प्रदान कर रही है, सरकार प्रत्येक यात्री टिकट की लागत का 45 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन करती है, जिससे आधुनिक यात्रा अनुभव सुनिश्चित होने के बावजूद यहाँ का किराया पड़ोसी देशों और विकसित देशों की तुलना में काफी कम है
- कम दूरी की यात्रा को सुगम बनाने के लिए 200 नई इंटरसिटी ट्रेनें और मुंबई हेतु स्वचालित दरवाजों वाली 238 नई उपनगरीय ट्रेनें जल्द शुरू की जाएंगी
- पिछले 10 वर्षों में 5 लाख नौकरियों और बीते 2 वर्षों में 1.43 लाख सीधी नियुक्तियों के अलावा, रेलवे की विभिन्न परियोजनाएं लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही हैं
- स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं और तकनीक-आधारित रखरखाव पद्धतियां भारत में यात्रा के अनुभव को नया आयाम दे रही हैं

ऐतिहासिक बजटीय आवंटन और रेलवे की मजबूत वित्तीय स्थिति

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जो देश भर के सभी राज्यों को लाभान्वित कर रहा है और बुनियादी ढांचे के त्वरित विकास को गति दे रहा है।

श्री वैष्णव ने स्पष्ट किया कि रेलवे के प्रमुख व्यय मदों में लगभग ?1.19 लाख करोड़ का कार्मिक व्यय, करीब ?64,000 करोड़ का पेंशन व्यय, लगभग ?32,000 करोड़ की ऊर्जा लागत और लगभग ?23,000 करोड़ की वित्त लागत शामिल है। इन भारी खर्चों के बावजूद, रेलवे निरंतर सकारात्मक संतुलन बनाए हुए है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि रेल विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप लगभग ?6,000 करोड़ की बचत हुई है और विद्युतीकरण के बढ़ते दायरे के कारण डीजल की खपत में भी निरंतर गिरावट आ रही है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और क्षमता में वृद्धि

श्री वैष्णव ने पिछले एक दशक में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माल ढुलाई 2013-14 के लगभग 1,055 मिलियन टन से बढ़कर अब लगभग 1,650 मिलियन टन हो गई है, जिससे भारतीय रेलवे वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा माल वाहक बन गया है।

रेलवे ट्रैक निर्माण की गति में व्यापक तेजी आई है, जिसके तहत लगभग 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं, जबकि इससे पिछली अवधि में यह आंकड़ा लगभग 15,000 किलोमीटर था। विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी तीव्र प्रगति देखी गई है, जो लगभग 5,200 किलोमीटर से बढ़कर करीब 47,000 किलोमीटर तक पहुँच गई है। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने 99 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के संदर्भ में, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की संख्या लगभग 4,000 से बढ़कर करीब 14,000 हो गई है। इसी तरह, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग (स्वचालित सिग्नल प्रणाली) का विस्तार भी लगभग 1,500 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि एलएचबी कोचों की संख्या में, जो कि अधिक सुरक्षित और आधुनिक हैं, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और हाल के वर्षों में लगभग 48,000 ऐसे कोच जोड़े गए हैं। इसके साथ ही, लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर लगभग 12,000 यूनिट हो गया है, जबकि वैगन की संख्या 2 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है।

टनल, माल ढुलाई गलियारे (फ्रेट कॉरिडोर) और रणनीतिक संपर्क

श्री वैष्णव ने रेखांकित किया कि टनल निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि जहाँ 2014 तक लगभग 125 किलोमीटर टनल का निर्माण किया गया था, वहीं उसके बाद 486 किलोमीटर अतिरिक्त टनल बनाई गई हैं। इससे पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर जैसे कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में संपर्क में व्यापक सुधार हुआ है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के निर्माण में व्यापक प्रगति हुई है, जिसके तहत लगभग 2,800 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है और इन कॉरिडोर पर प्रतिदिन लगभग 480 मालगाड़ियाँ संचालित हो रही हैं।

परिचालन दक्षता और रेल नेटवर्क में वृद्धि

श्री वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 25,571 ट्रेनों का संचालन करती है, जिससे होली, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की यात्रा अधिक सुगम और सुविधाजनक सुनिश्चित होती है।

कुल रेल नेटवर्क विस्तार बढ़कर लगभग 1,37,522 रूट किलोमीटर तक पहुँच गया है, जिसमें निरंतर वार्षिक वृद्धि देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के पास अब लगभग 3.86 लाख वैगन और करीब 98,000 कोच उपलब्ध हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड स्तर है।

सुरक्षा व्यवस्था में सुधार

श्री वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। इसके लिए ट्रैक रखरखाव, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने और प्रशिक्षण पद्धतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि रेलवे दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है, जिसे 'रूट कॉज एनालिसिस' (व्यवस्थित मूल कारण का विश्लेषण) और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से संभव बनाया गया है। सुरक्षा में निवेश भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, जिसके तहत सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए लगभग ?1.2 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं।

सुरक्षा तकनीक पर चर्चा करते हुए, उन्होंने स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लगभग 3,000 किलोमीटर के नेटवर्क को पहले ही इसके दायरे में लाया जा चुका है, जबकि करीब 20,000 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है और लगभग 8,000 रेल इंजनों में इसे लगाने की योजना है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कवच' एक व्यापक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, टेलीकॉम टावर, डेटा सेंटर और ऑनबोर्ड उपकरण शामिल हैं। इसकी जटिलता एक पूर्ण टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के समान है।

यात्री सेवाएँ और सस्ती यात्रा की सुविधा

श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे आम नागरिकों के लिए किफायती यात्रा को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है। लगभग 70 प्रतिशत कोच जनरल और स्लीपर श्रेणी के हैं, जो अधिकांश यात्रियों के लिए सुलभता सुनिश्चित करते हैं।

उन्होंने सूचित किया कि अतिरिक्त जनरल कोच (सामान्य श्रेणी के डिब्बे) शुरू किए गए हैं, जिनमें वर्ष 2024-25 में लगभग 1,250 कोच और 2025-26 में करीब 860 कोच शामिल हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि रेलवे वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग ?60,000 करोड़ की यात्री सब्सिडी प्रदान कर रही है, जो प्रति यात्री औसतन लगभग 45 प्रतिशत की छूट के बराबर है। इसके अतिरिक्त, मुंबई जैसे उपनगरीय (सबअर्बन) इलाकों में लगभग ?3,000 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

नई रेल सेवाओं की शुरूआत

केंद्रीय मंत्री ने आधुनिक रेल सेवाओं की शुरूआत और उनके विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक वंदे भारत सेवाएं संचालित हैं, साथ ही किफायती लंबी दूरी की यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 60 अमृत भारत ट्रेन सेवाएं भी अपनी सेवाएं दे रही हैं।

उन्होंने यह भी सूचित किया कि 133 अमृत भारत ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू की गई हैं और उनके प्रदर्शन को लेकर सकारात्मक फीडबैक प्राप्त हुआ है।

उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे मुंबई के लिए ऑटोमैटिक डोर-क्लोजिंग सिस्टम (स्वचालित द्वार बंद होने की प्रणाली) वाली 238 नई उपनगरीय (सबअर्बन) ट्रेनों और कम दूरी की यात्रा के लिए लगभग 200 नई मेमू ट्रेनों के उत्पादन का कार्य कर रही है, जिन्हें 'इंटरसिटी' के नाम से जाना जाएगा।

विशेष रेलगाड़ियाँ और यात्रियों की सुलभता

श्री वैष्णव ने बताया कि पीक सीजन की मांग को पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन का व्यापक विस्तार किया गया है। जहाँ पहले प्रतिवर्ष लगभग 2,000-2,500 विशेष ट्रेनें चलाई जाती थीं, वहीं इस बार लोगों की सुविधा के लिए रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

दिवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लगभग 12,383 विशेष ट्रेनें संचालित की गईं, जबकि होली के दौरान अब तक 1,500 से अधिक ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं।

उन्होंने आगे बताया कि 75 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र) विकसित किए जा रहे हैं और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए 1,200 से अधिक नई ईएमयू/मेमू सेवाएं शुरू की गई हैं।

रेलवे में रोजगार के अवसर और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया

रोजगार के विषय पर श्री वैष्णव ने बताया कि पिछले एक दशक में रेलवे में लगभग 5 लाख नौकरियां प्रदान की गई हैं, जबकि 1.43 लाख भर्तियों की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है।

उन्होंने एक व्यवस्थित वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरूआत पर प्रकाश डाला, जो पूर्वानुमान और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। रेलवे की भर्ती परीक्षाएं 15 भाषाओं में और 150 शहरों में आयोजित की जा रही हैं, जिनमें लगभग 3.6 करोड़ उम्मीदवारों की भागीदारी देखी गई है।

उन्होंने यह भी सूचित किया कि शिकायतों के त्वरित निवारण और परीक्षाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्रीय निगरानी प्रणाली (वार रूम) स्थापित की गई है।

रेलवे में तकनीक, नवाचार और 'मेक इन इंडिया

अपनी बात जारी रखते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने परिचालन, रखरखाव, बुनियादी ढांचे और यात्री सेवाओं सहित भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में तकनीक और 'मेक इन इंडिया' की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सूचित किया कि जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए रेलवन (फ्रंडल्ली) ऐप ने व्यापक लोकप्रियता हासिल की है, जिसके अब तक 2.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं और इसके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 9.5 लाख टिकटों का सफल ट्रांजैक्शन हो रहा है। यह ऐप आरक्षित और अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन पूछताछ, पीएनआर स्थिति और शिकायत निवारण जैसी कई यात्री सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करता है।

मंत्री महोदय ने आगे बताया कि यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) को कई दशकों के बाद व्यापक रूप से आधुनिक बनाया गया है। इस उन्नत प्रणाली को अलग-अलग चरणों में लागू किया जा रहा है और इससे बुकिंग की दक्षता एवं पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, तत्काल बुकिंग प्रणाली में भी सुधार लागू किए गए हैं ताकि ऑटोमेटेड बॉट्स और अनधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से होने वाले दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए टिकटों की उपलब्धता बेहतर हुई है।

श्री वैष्णव ने वन्यजीव संरक्षण के लिए कैमरों सहित एआई आधारित प्रणालियों की तैनाती और पूरे नेटवर्क में प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस के लिए आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग को भी रेखांकित किया।

मेक इन इंडिया पहल के तहत, भारतीय रेलवे एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा है, जिसके तहत रेलवे निर्यात ?24,000 करोड़ के पार पहुंच गया है। भारतीय रेल तकनीक और उत्पादों का निर्यात जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों को किया जा रहा है।

स्टेशनों का कायाकल्प और क्षमता में वृद्धि

श्री वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने वैश्विक स्तर पर स्टेशन पुनर्विकास के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक शुरू किया है, जिसके तहत लगभग 1,300 स्टेशनों को कवर किया जा रहा है। इनमें से लगभग 180 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि करीब 500 स्टेशन पूर्ण होने के उन्नत चरण में हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रथाओं के विपरीत, जहाँ पुनर्निर्माण के दौरान स्टेशनों को अक्सर बंद कर दिया जाता है, भारतीय रेलवे निरंतर ट्रेन संचालन को बनाए रखते हुए पुनर्विकास कार्य कर रही है। इससे सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ यात्रियों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, 48 अधिक मांग वाले शहरों में क्षमता विस्तार के कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें अतिरिक्त प्लेटफार्मों, स्टेबलिंग लाइनों, पिट लाइनों और कोचिंग टर्मिनलों का निर्माण शामिल है। ये कार्य आने वाले वर्षों में परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे।

पीएम गति शक्ति - रेलवे परियोजनाओं का एकीकृत एवं त्वरित कार्यान्वयन

केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि रेलवे विस्तार की योजना अब पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के माध्यम से बनाई जा रही है, जो एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए जियोस्पेशियल मैपिंग का उपयोग करता है।

उद्योगों, शहरी केंद्रों और लॉजिस्टिक्स नोड्स से जुड़ी मांग के वैज्ञानिक आकलन के माध्यम से, नई रेलवे परियोजनाओं की व्यवस्थित रूप से पहचान की गई है। वर्ष 2014 से अब तक, लगभग 27,000 किलोमीटर की नई रेलवे परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें कुल निवेश लगभग ?4.27 लाख करोड़ है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विस्तार

श्री वैष्णव ने बताया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मिजोरम जैसे राज्यों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है, जबकि मणिपुर, नागालैंड और सिक्किम में कनेक्टिविटी परियोजनाओं का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी ने क्षेत्र में परिवहन लागत को कम करने, लॉजिस्टिक्स में सुधार और पहुंच को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रेलवे और सांस्कृतिक जुड़ाव

श्री वैष्णव ने देश भर के प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्रों के लिए रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। नासिक, उज्जैन, हरिद्वार, राजमुंदरी और कुंभकोणम जैसे शहरों में होने वाले कुंभ आयोजनों जैसे बड़े कार्यक्रमों के लिए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजनाएं तैयार की गई हैं। इनमें यात्रियों की भारी संख्या को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए स्टेशनों का अपग्रेडेशन, अतिरिक्त पुल, अंडरपास, पटरियों का दोहरीकरण और सिग्नलिंग में सुधार शामिल हैं।

परियोजना कार्यान्वयन और भूमि अधिग्रहण की चुनौतियाँ

श्री वैष्णव ने कहा कि रेल परियोजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण के मामले में।

उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण में होने वाले विलंब ने परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघीय ढांचे के तहत रेलवे का विकास एक सहयोगात्मक प्रयास है और भूमि अधिग्रहण में तेजी आने से सभी राज्यों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

हाई-स्पीड रेल और बुलेट ट्रेन की प्रगति

श्री वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

प्रमुख उपलब्धियाँः

- 300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण का कार्य पूर्ण।
- पिलर निर्माण, ट्रैक बिछाने और स्टेशनों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति।
- कई नदियों पर पुलों का निर्माण कार्य संपन्न।
- भारत की पहली समुद्र के नीचे की रेल सुरंग पर कार्य जारी, जिसमें महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना को 2027 से चरणों में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें ट्रेनों के 350 किमी/घंटा तक की गति से चलने की उम्मीद है। इससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय घटकर 2 घंटे से भी कम हो जाएगा।

मंत्री ने यह भी सूचित किया कि सात अतिरिक्त हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है, जो भविष्य में भारत के हाई-स्पीड नेटवर्क को लगभग 4,000 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगे।

विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं और स्वच्छता सुधार

श्री वैष्णव ने यात्री अनुभव, विशेष रूप से स्वच्छता में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रहे सुधारों पर प्रकाश डाला। लंबी दूरी की ट्रेनों में पायलट आधार पर एक नई पहल शुरू की गई है, जहाँ सामान्य कोचों सहित सभी श्रेणियों में प्रस्थान से गंतव्य तक निरंतर सफाई सुनिश्चित की जाती है। यह पहल विभिन्न जोन की चुनिंदा ट्रेनों में लागू की जा रही है और इससे यात्रियों की समग्र संतुष्टि में वृद्धि होने की उम्मीद है।

सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और सामरिक संपर्क

अपने उत्तर के समापन में, श्री अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती और सामरिक क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी पर दिए जा रहे विशेष बल को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो सामरिक आवाजाही और क्षेत्रीय विकास दोनों को बढ़ावा देंगी।

जम्मू-कश्मीर में बारामूला-उरी विस्तार (डीपीआर चरण), काजीगुंड-बडगाम दोहरीकरण और जम्मू-राजौरी-पुंछ कनेक्टिविटी के लिए सर्वेक्षण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें लंका-सिलचर, डेकरगांव-सिलघाट और अन्य सामरिक मार्गों जैसी नई लाइनों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना और उन्हें पूरा करना शामिल है। क्षमता वृद्धि के लिए सर्वेक्षण और निर्माण गतिविधियां भी चल रही हैं, जिनमें न्यू जलपाईगुड़ी और कामाख्या के बीच अतिरिक्त लाइनें बिछाने का कार्य शामिल है।

श्री वैष्णव ने आगे बताया कि अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जिसमें भूटान जैसे पड़ोसी देशों के साथ संपर्क स्थापित करना भी शामिल है। उत्तरी और पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों में, अनुपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलडी और भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ अन्य मार्गों जैसी परियोजनाओं को पहुंच और लॉजिस्टिक्स में सुधार के लिए विकसित किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में, बेरी-मनाली-लेह (डीपीआर चरण) और घनाउली-बद्दी लाइन जैसे कार्य प्रगति पर हैं। इसी प्रकार, पंजाब और अन्य उत्तरी राज्यों में नई लाइनों और क्षमता विस्तार की परियोजनाएं चल रही हैं।

उन्होंने सिलीगुड़ी कॉरिडोर में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना पर भी प्रकाश डाला, जहाँ महत्वपूर्ण स्थितियों में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने के लिए 30 किमी लंबे भूमिगत डबल-लाइन कॉरिडोर की योजना विकसित की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा पर क्रॉस-बॉर्डर कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को मजबूत करने के लिए नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा-मुजफ्फरपुर जैसे खंडों सहित कई दोहरी रेल लाइन परियोजना और क्षमता वृद्धि की परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

रेलवे कर्मचारियों की सराहना और भविष्य के लक्ष्य

श्री अश्विनी वैष्णव ने लगभग 12.5 लाख रेल कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना की, जिनमें लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर, स्टेशन स्टाफ और तकनीकी कर्मी शामिल हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि ये कर्मचारी त्योहारों और कठिन परिस्थितियों की परवाह किए बिना देश भर में निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेलवे का यह कायाकल्प इसके समस्त कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जिसे सरकार की मजबूत नीतियों और निवेश का पूरा साथ मिला है।

अनुदान की मांगों के माध्यम से रेल मंत्रालय के विस्तृत व्यय प्रस्तावों पर संसद की स्वीकृति मांगी गई। भारत की संचित निधि से होने वाले इस खर्च में मुख्य रूप से क्षमता विस्तार, सुरक्षा में सुधार, रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने और यात्री सुविधाओं जैसी प्राथमिकताओं को शामिल किया गया है, साथ ही रेलवे की परिचालन प्रतिबद्धताओं के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।

प्रकृति महापर्व सरहुल 20 को, 21 को निकाली जाएगी शोभायात्रा

बिभा संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में केंद्रीय सरना पूजा स्थल सरहुल शोभायात्रा उदगम स्थल सरना टोली हातमा रांची में सरहुल पूजा महोत्सव-2026 को लेकर तैयारी बैठक हुई।

बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि प्रकृति महापर्व सरहुल 20 मार्च (शुक्रवार) को चैत शुक्ल पक्ष द्वितीय को उपवास केकड़ा, मछली पकड़ाई और रात्रि में जल रखाई पूजा के साथ होगी।

उन्होंने बताया कि 21 मार्च (शनिवार) को चैत शुक्ल पक्ष तृतीय को पूजा, वर्षा भविष्यवाणी

और दोपहर में शोभायात्रा निकाली जाएगी, जबकि 22 मार्च (रविवार) को फूलखोसी (पूष्प अर्पन) होगी।

मुख्य पहान ने रांचीवासियों से प्रकृति महापर्व सरहुल को परांपरिक रीति रिवाज और विधि-विधान के साथ करने का आहवान किया है।

वहीं केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि जो लोग डीजे पर राजनीति कर अपना चेहरा चमकने का प्रयास कर रहे हैं वैसे लोगों से समाज को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे राज्य सरकार से सरहुल शोभायात्रा के दिन पूरे झारखंड में शराबबंदी की घोषणा की मांग की। साथ ही सरहुल महापर्व में तीन दिवसीय राजकीय अवकाश की घोषणा करने और नगर निगम प्रशासक से सभी पूजा स्थलों की साफ सफाई, बिजली व्यवस्था, चलंत शौचालय एवं हर चौक चौराहा पर पीने के पानी की व्यवस्था करने की मांग की।

साथ ही सरहुल शोभायात्रा के दिन रांची के सभी सुलभ शौचालय को निशुल्क करने को कहा। बबलू मुंडा ले कहा कि सरहुल शोभायात्रा के दिन शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पर प्रतिबंधित करने और सभी चौक चौराहा में शोभायात्रा को नियंत्रित करने के लिए मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की मांग की। उन्होंने आम लोगों से सरहुल शोभायात्रा में सौहार्दपूर्ण और हर्षोल्लास एवं भाईचारगी के साथ पारंपरिक नृत्य संगीत एवं वेशभूषा में शामिल होने की अपील की। मौके पर केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, अशोक मुंडा, शोभा कच्छप, महादेव टोप्पो, शिवधन मुंडा, नकुल तिर्की, अनिता गाड़ी, राजेश पहान, प्रदीप मुंडा सहित अन्य उपस्थित थे।

सीसीएल में सरहुल पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, रांची स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में बुधवार को सरहुल के पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से हुई। इसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उल्लासमय बना दिया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, लोकनृत्य और लोकगीतों का आकर्षक प्रदर्शन किया।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के माध्यम से सरहुल पर्व के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक एकता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सीसीएल के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिजन मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व रेलवे ने सुरक्षा और राजस्व के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं

कोलकाता(बिभा): पूर्व रेलवे ने हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग पर बर्द्धमान और प्रधानखुंटा के बीच 155 किलोमीटर के खंड पर कवच टक्कर रोधी प्रणाली को सफलतापूर्वक चालू करके परिचालन उत्कृष्टता और यात्री सुरक्षा में नए मानक स्थापित करना जारी रखा है। इस उपलब्धि के साथ चालू वित्त वर्ष में कवच प्रणाली का कुल कार्यान्वयन 260 किलोमीटर तक पहुंच गया है, जो रेल सुरक्षा के उच्चतम मानकों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सुरक्षा सुधारों के साथ-साथ, पूर्व रेलवे ने कड़े वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सामान्य परिचालन व्यय में 14.55% की कमी लाकर उत्कृष्ट वित्तीय अनुशासन का परिचय दिया है। इस जोन का राजस्व सृजन भी कई क्षेत्रों में मजबूत बना हुआ है। फरवरी महीने में स्क्रैप बिक्री से प्राप्त राजस्व 70.22 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 54.5 करोड़ रुपये के लक्ष्य से 28.84% अधिक है। इसके अलावा, यात्री राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो फरवरी 2026 में 244.22 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 12.01% की वृद्धि दशार्ता है। ये सभी उपलब्धियां मजबूत आर्थिक विकास को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के प्रति पूर्व रेलवे के समग्र दृष्टिकोण को दशार्ती हैं।

आज भी इमानदारी जींदा है : विक्की सोनी ने नरायसा खातून को सौपा खोया बैग, पैसा, सोना

रांची(बिभा)। राजधनी के कचहरी रोड स्थित अटल स्मृति वेंडर मार्केट के जी 108 के दुकानदार विक्की सोनी ने इमानदारी की मिशाल कायम की। जहां सोमवार को पुरानी रांची स्कूल रोड नूर नगर की रहने वाली नुरायसा खातुन ईद की खरीदारी करने वेंडर मार्केट गई थी। जहां पर उनका लेडीज बैग जिसमें 3260 रुपए नगद और सोने की नाक का टॉप बैग सहित गिर गया। जो विक्की सोनी को मंगलवार को दुकान की साफ-सफाई के क्रम में मिला। बैग खोलने पर नगद रूपया और सोने के नाग का टॉपस और आधार कार्ड मिला। इसके बाद उन्होंने आधार कार्ड में दिये गए मोबाइल नंबर से संपर्क कर पूछा की आप का कुछ सामान खोया है। इस पर नुरासराय खातून ने बताया की उनका बैग कही गिर गया है। मै उसे लेकर काफी परेशान हूं। ईद कैसे मनेगी इसकी चींता लगी है। इस पर विक्की ने बताया की बैग और सामान उनके पास सुरक्षीत है। बेंडर मार्केट में आकर ले जाएं। इसके बाद पे अपनी बेटी के साथ उनकी दुकान पर पहुंची। जहां दुकानदारों के बीच उनका बैग, पैसा, नाक का टॉपस सौपा गया। इस पर नुरासराय खातून उन्हे आशीर्वाद दिया और कहा की आज भी इमानदारी जींदा है।

डॉ. हनुमान शर्मा का निधन

रांची(बिभा) : पूर्वी भारत के प्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी डॉ. हनुमान शर्मा का कुछ दिन पहले लंबी बीमारी और न्यूरो रोग से निधन हो गया। संयुक्त बिहार में वनस्पति विज्ञान के शिक्षक के रूप में उन्होंने अपना करियर शुरू किया और डॉ. के.के. नाग के नेतृत्व में टिस्यू कल्चर क्षेत्र में काम किया, जिससे उन्हें पीएचडी की उपाधि मिली।

20 से अधिक शोध छात्रों का मार्गदर्शन और 20 से अधिक पुस्तकें लिखने वाले डॉ. शर्मा की एक पुस्तक का विमोचन पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. कलाम ने किया था। उनके 150 से अधिक शोध पत्र विश्वभर के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। रांची में अपने आवास पर उनका निधन हो गया, जहां वे पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे। कई वनस्पति विज्ञानी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और वनस्पति विज्ञान के एक अच्छे शिक्षक और विद्वान के रूप में याद किया।डॉ. हनुमान शर्मा वनस्पति विज्ञान के एक अच्छे शिक्षक और विद्वान थे, जिन्होंने पोस्ट ग्रेजुएट विभाग से सेवानिवृत्त हुए। उन्हें सिदो कान्हू विश्वविद्यालय, दुमका के प्रो-वाइस चांसलर भी नियुक्त किया गया था और उन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया।डॉ. के.के. नाग, डॉ. रमेश पांडे, डॉ. अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. ज्योति कुमार, डॉ. प्रसंजीत मुखर्जी, डॉ. लादली रानी, डॉ. श्वेता नाग, डॉ. विनोद और डॉ. अशोक नाग ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

रेलकर्मियों के बच्चों के बीच उच्च शिक्षा के लिए 1.33 करोड़ छात्रवृति का वितरण

बिभा

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18 मार्च को मुख्यालय, हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में महिला रेलकर्मियों के लिए सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया । महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह तथा पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह द्वारा समारोह का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह द्वारा पांचों मंडलों एवं मुख्यालय के रेलकर्मियों के उच्च तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहीं 739 चयनित पुत्रियों को कर्मचारी कल्याण निधि से छात्रवृति के रूप में 01 करोड़ 33 लाख रुपए की राशि वितरित की गयी । इसके साथ ही कक्षा-8 में पढ़ रही 62 रेलकर्मियों के बच्चियों को साईकिल वितरित की गयी तथा इस माह में रेल सेवा से सेवानिवृत्त हो रही 06 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यथा-सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि इस रेलवे में महिला लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर, इंजीनियर, ट्रैक मेंटेनर, जैसे महत्वपूर्ण एवं संरक्षा से जुड़े पदों पर कार्य करते हुए रेल और देश के विकास में योगदान दे रहीं हैं। पूर्व मध्य रेल के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान पूर्व मध्य रेल से ही है एवं उनके साथ पूर्व मध्य रेल की कई प्रतिभावान खिलाड़ी टीम में शामिल हैं । इनके लिए स्पोर्टस हॉस्टल की व्यवस्था की गई है एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित की जा रही है । महाप्रबंधक ने सम्मानित हो रही बालिकाओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें प्रदान की जा रही शैक्षणिक सहायता राशि एवं साईकिल एक प्रतीक मात्र है ताकि उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने एवं इसका लाभ देश एवं समाज को देने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके ।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह ने कहा कि आज देश हीं नहीं, विश्व पटल पर महिलाओं के नेतृत्व क्षमता साबित हो चुकी है । जहां देश का नेतृत्व महिला के रूप में माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू के हाथों में है वहीं, भारतीय रेल भी इसमें पीछे नही है । रेलवे बोर्ड के शीर्ष पदों यथा Member (Finance), DG (HR), DG (RPF) आदि एवं पूर्व मध्य रेल में PCOM, PCSTE, CPO (MPP) के साथ-साथ लगभग एक लाख महिलाएं भारतीय रेल को प्रगति के पथपर अग्रसर करने में अपना योगदान दे रहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने आसमां तक अपनी क्षमता का परिचय दिया है जिसके कारण आज महिलाएं सुखोई जैसे विमान के पायलट से लेकर वंदे भारत के लोको पायलट, अंतरिक्ष यात्री एवं पर्वतारोही जैसे क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही हैं । मैं आज सम्मानित हो रही बच्चियों के आगे की खुशहाल जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं ।

सीसीएल के मेगा स्वास्थ्य शिविर में 146 लोगों की जांच

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर की ओर से बुधवार को धावन नगर बस्ती, रांची में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान चिकित्सकों की टीम ने 146 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की। इसके साथ ही मरीजों को जरूरी चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में विशेष रूप से हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। साथ ही, सभी लाभार्थियों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

शिविर के सफल आयोजन में डॉ भरत सिंह (सीएमओ इंचार्ज, गांधीनगर), डॉ प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज), डॉ अनिता होरो, डॉ रजनी कुजूर, डॉ सत्यप्रकाश रंजन, डॉ शिल्पी झा, डॉ मेघा, डॉ साइम, मुन्ना कुमार सिंह सहित सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

पीवीयूएनएल ने स्वास्थ्य विभाग को दिया एंबुलेंस

रामगढ़(बिभा) आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, पीवीयूएनएल ने अपने सामुदायिक विकास (सीडी) पहल के अंतर्गत रामगढ़ स्वास्थ्य विभाग को एक अत्याधुनिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दिया। यह एम्बुलेंस सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है, जो गंभीर परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में सहायक होगी। इस एएलएस एम्बुलेंस का औपचारिक हस्तांतरण बुधवार को पीवीयूएनएल के जियाउर रहमान होहर ने किया। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी तनमोय मिश्रा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन ने कहा कि यह एएलएस एम्बुलेंस स्वास्थ्य विभाग की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी। साथ ही गंभीर रोगियों को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सुविधा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए पीवीयूएनएल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विमेंस कॉलेज में सरहुल पर्व की पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : विमेंस कॉलेज, रांची में सरहुल पर्व की पूर्व संध्या पर आज एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति एवं ट्राइबल रीजनल लैंग्वेज विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रांची शहर की नवनियुक्त मेयर रोशनी खलखो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विनीता सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. विनीता सिंह ने सरहुल पर्व की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ मानव के गहरे संबंध, सामुदायिक जीवन और सांस्कृतिक अस्मिता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं। उन्होंने छात्राओं के उत्साह, अनुशासन एवं प्रस्तुति की सराहना करते हुए आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों को बधाई दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक लोक-नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई दी। नृत्य की विविध शैलियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही छात्राओं द्वारा लगाए गए पारंपरिक व्यंजनों के फूड स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे, जहाँ विभिन्न जनजातीय व्यंजनों का स्वाद उपस्थित लोगों ने बड़े उत्साह के साथ लिया।

मुख्य अतिथि रोशनी खलखो ने अपने संबोधन में नागपुरी भाषा में छात्राओं एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा और संस्कृति को सहेजना अत्यंत आवश्यक है, और इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उनके नागपुरी भाषण ने कार्यक्रम में विशेष आत्मीयता और सांस्कृतिक गरिमा का संचार किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकगण, छात्राएँ एवं गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आसनसोल मंडल को फुटबॉल एवं भारोत्तोलन में दोहरी सफलता

डीएसए फुटबॉल टीम ने जीता आसनसोल गोल्ड कप, भारोत्तोलन टीम बनी जिला चैंपियन

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने पश्चिम बर्धमान जिले में आयोजित फुटबॉल एवं भारोत्तोलन प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। ये उपलब्धियां मंडलीय खेल संघ (ऊरअ), आसनसोल की टीमों द्वारा हासिल की गई हैं।

डीएसए/आसनसोल/पूर्व रेलवे की फुटबॉल टीम ने आसनसोल उपमंडल द्वारा आयोजित आसनसोल गोल्ड कप 2026 प्रतियोगिता में उत्कृष्ट समन्वय, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता।

डीएसए/ईआर/आसनसोल की भारोत्तोलन टीम ने पश्चिम बर्धमान भारोत्तोलन चैम्पियनशिपझ2026 में चैंपियनशिप हासिल की। राणा सामंता (71 किग्रा) ने कुल 210 किग्रा भार (स्नैचः 95 किग्रा एवं क्लीन एंड जर्कः 115 किग्रा) उठाया, जबकि बृजेश कुमार राउत (79 किग्रा) ने 220 किग्रा (स्नैचः 95 किग्रा एवं क्लीन एंड जर्कः 125 किग्रा) का प्रदर्शन किया। समीम अंसारी (88 किग्रा) ने 180 किग्रा, शिलाजीत रॉय (60 किग्रा) ने 140 किग्रा, देव कुमार मंडल (65 किग्रा) ने 150 किग्रा तथा सुमित सोनार (110 किग्रा) ने 170 किग्रा भार उठाया। आसनसोल के मंडल रेल प्रबंधक, जो डीएसए/आसनसोल के अध्यक्ष भी हैं, ने विजेताओं को बधाई दी तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की। मंडल रेल प्रबंधक ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा खेल अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, आसनसोल के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

ये उपलब्धियां आसनसोल मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारियों में खेल, अनुशासन एवं टीम भावना को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों को दशार्ती हैं, जो समग्र विकास एवं संगठनात्मक उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं।

सरहुल पर्व की तैयारी तेज, रांची में महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड का प्रमुख आदिवासी प्रकृति पर्व सरहुल इस वर्ष 21 मार्च को पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। पर्व के मद्देनजर बुधवार को ककिे रोड स्थित पूर्व महापौर अशोक कुमार सिंह के वार्ड संख्या-2 स्थित आवास पर मिसिरगोंदा क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक विशेष बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरहुल पर्व से पूर्व समाज में सकारात्मक माहौल तैयार करना और सामुदायिक एकता को मजबूत करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और पारंपरिक तरीके से आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान सभी महिलाओं को पारंपरिक लाल पाड़ साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पारंपरिक व्यंजनों के साथ सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग और भी गहरा हो गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक है। इसे संरक्षित और समृद्ध करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस पर्व को पारंपरिक गरिमा, स्वच्छता और आपसी सद्भाव के साथ मनाएं।

बैठक में शामिल महिलाओं ने भी सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि इस वर्ष सरहुल पर्व को और अधिक हर्षोल्लास, पारंपरिक रीति-रिवाजों और स्वच्छ वातावरण के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में पूर्व मेयर अशोक कुमार सिंह, महावीर लकड़ा, मनोज राव, सुरेश टोप्पो, अनिल लकड़ा सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थीं। वहीं अग्नि टोप्पो, लॉरी लकड़ा, इतवारी कच्छप, मेरी कुजूर, पुष्पा राव, सुमन टोप्पो, संगीता उरांव, आशा उरांव, चंपू राम, कदमी बंधु, अलका टोप्पो समेत अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

आयोजन समिति में अशोक कुमार सिंह, महावीर लकड़ा, अनिल उरांव, मनोज उरांव, महादेव उरांव, सुरेश टोप्पो, विनीता उरांव, भोलीरा उरांव और लीलावती उरांव सहित कई लोग सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

यह आयोजन सरहुल पर्व की तैयारियों के साथ-साथ समाज में एकता और सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश देने में सफल रहा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com